website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 54 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 03 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

बजट 2026: रिकॉर्ड रक्षा खर्च, टियर-2/3 शहरों को बढ़ावा और तमिलनाडु-बंगाल के लिए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट 2026 पेश करते हुए कई अहम ऐलान किए। करीब 85 मिनट के अपने भाषण में उन्होंने रक्षा खर्च, रेलवे प्रोजेक्ट, टैक्स फाइलिंग में सहूलियत और शहरों के आर्थिक विकास से जुड़ी योजनाओं पर जोर दिया। इस बजट की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें अब तक का सबसे बड़ा रक्षा बजट रखा गया है। हालांकि, आम आदमी को सीधे राहत देने वाली कोई बड़ी घोषणा नज़र नहीं आई, जिससे मध्यम वर्ग और आम परिवारों में थोड़ी मायूसी भी देखी जा रही है। सबसे पहले बात रक्षा बजट की करें तो इस साल डिफेंस बजट को ₹6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर ₹7.84 लाख करोड़ कर दिया गया है। यानी करीब 15.2% की बढ़ोतरी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला बजट है, इसलिए सुरक्षा और सैन्य ताकत को मजबूत करने पर खास ध्यान दिया गया है। सरकार ने साफ किया है कि बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए सेना का आधुनिकीकरण जरूरी है। हथियारों की खरीद और सेना के उपकरणों को आधुनिक बनाने के लिए पूंजीगत खर्च में भी बड़ा इजाफा किया गया है। पिछले साल जहां इस मद में ₹1.80 लाख करोड़ रखे गए थे, वहीं इस बार इसे बढ़ाकर ₹2.19 लाख करोड़ कर दिया गया है। यानी करीब 22% की सीधी बढ़ोतरी। इसका मकसद है स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना, नई टेक्नोलॉजी अपनाना और तीनों सेनाओं — थल, जल और वायु — को ज्यादा मजबूत बनाना। टैक्स सिस्टम को लेकर भी कुछ सुधारों की बात कही गई है। सरकार ने टैक्स फाइलिंग को और आसान बनाने, डिजिटल प्रोसेस को मजबूत करने और विवाद कम करने पर जोर दिया है। हालांकि टैक्स स्लैब या बड़ी छूट को लेकर कोई बड़ा ऐलान नहीं हुआ, जिससे वेतनभोगी वर्ग को बड़ी राहत नहीं मिल सकी। बजट में शहरों के विकास के लिए एक नई सोच के साथ "सिटी इकोनॉमिक रीजंस (CIR)" योजना का ऐलान किया गया है। इसके तहत अगले पांच सालों में टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए ₹5,000 करोड़ का फंड रखा गया है। इसका मकसद है कि बड़े महानगरों के अलावा मध्यम और छोटे शहरों में भी निवेश, कारोबार और रोजगार के मौके बढ़ें। भोपाल, जयपुर, पटना, लखनऊ जैसे शहरों को इस योजना से सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार चाहती है कि ये शहर नए इंडस्ट्रियल और सर्विस हब बनें, जहां लोकल कारोबार को बढ़ावा मिले और युवाओं को अपने ही इलाके में नौकरी के मौके मिल सकें। इससे बड़े शहरों पर बढ़ता दबाव भी कम होगा और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। रेलवे सेक्टर में भी बजट 2026 में खास घोषणाएं की गई हैं। खासकर चुनावी राज्यों को ध्यान में रखते हुए कुछ बड़े प्रोजेक्ट सामने आए हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की सौगात दी गई है। इससे इन राज्यों में तेज रफ्तार कनेक्टिविटी, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि सीधे तौर पर चुनाव का जिक्र नहीं किया गया, लेकिन इन प्रोजेक्ट्स का सियासी असर जरूर देखा जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सरकार ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। बजट में 3 नए आयुर्वेदिक AIIMS जैसे संस्थान खोलने का ऐलान किया गया है। इससे आयुष और आयुर्वेद आधारित इलाज को बढ़ावा मिलेगा और रिसर्च के नए मौके खुलेंगे। कुल मिलाकर बजट 2026 का फोकस सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, क्षेत्रीय विकास और सिस्टम सुधार पर ज्यादा दिखा। रक्षा बजट में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, शहरों के लिए नया आर्थिक मॉडल, रेलवे कॉरिडोर और आयुर्वेदिक संस्थानों की घोषणा — ये सब लंबे समय की योजना का हिस्सा नजर आते हैं।

बंगाल में SIR पर ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं, चुनाव आयुक्त से करेंगी मुलाकात

कलकत्ता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। उन्होंने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए एक याचिका दाखिल की है, जिसमें निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पक्षकार बनाया गया है। जानकारी के मुताबिक यह याचिका 28 जनवरी को दायर की गई थी। इस कदम ने राज्य की सियासत को और गर्म कर दिया है और चुनावी माहौल में नई बहस छेड़ दी है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी SIR का मकसद मतदाता सूची की विशेष और व्यापक समीक्षा करना होता है, ताकि फर्जी नाम हटाए जा सकें और योग्य मतदाताओं के नाम जोड़े जा सकें। लेकिन ममता बनर्जी और उनकी पार्टी का कहना है कि इस प्रक्रिया को जिस तरीके से लागू किया जा रहा है, उससे असली मतदाताओं के नाम कटने का खतरा बढ़ गया है। उनका आरोप है कि यह कवायद पारदर्शी और संतुलित तरीके से नहीं चल रही, जिससे लोकतांत्रिक हक़ पर असर पड़ सकता है। याचिका में कहा गया है कि SIR की मौजूदा प्रक्रिया से बड़ी संख्या में लोगों को बिना पर्याप्त जांच और नोटिस के मतदाता सूची से बाहर किया जा सकता है। इससे खास तौर पर गरीब, ग्रामीण और हाशिये पर रहने वाले तबकों पर ज्यादा असर पड़ेगा। ममता बनर्जी का मानना है कि चुनाव से पहले इस तरह की सख्त और तेज़ समीक्षा से भ्रम और अव्यवस्था पैदा हो सकती है। इसी मुद्दे को लेकर ममता बनर्जी दिल्ली भी पहुंची हैं। वे सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी। इस मुलाकात में वे SIR प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां और चिंताएं सीधे तौर पर चुनाव आयोग के सामने रखेंगी। माना जा रहा है कि वे मांग करेंगी कि इस प्रक्रिया को या तो रोका जाए या फिर इसे ज्यादा पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाए, ताकि किसी भी असली मतदाता का नाम गलती से न हटे। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मतदाता सूची का संशोधन एक नियमित और जरूरी प्रशासनिक प्रक्रिया है, लेकिन जब यह चुनाव के नजदीक होती है तो शक और सियासी तनाव बढ़ जाता है। विपक्षी दल अक्सर इसे सत्ता पक्ष के फायदे से जोड़कर देखते हैं, जबकि चुनाव आयोग इसे रूटीन सुधार की कार्रवाई बताता है। भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने ममता बनर्जी के कदम को सियासी स्टंट बताया है। उनका कहना है कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है और अगर समीक्षा हो रही है तो उसका स्वागत होना चाहिए। वहीं तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि समीक्षा के नाम पर वैध मतदाताओं को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर और अंडमान-निकोबार में भूकंप के झटके

-4.6 तीव्रता से हिली धरती, नुकसान की खबर नहीं

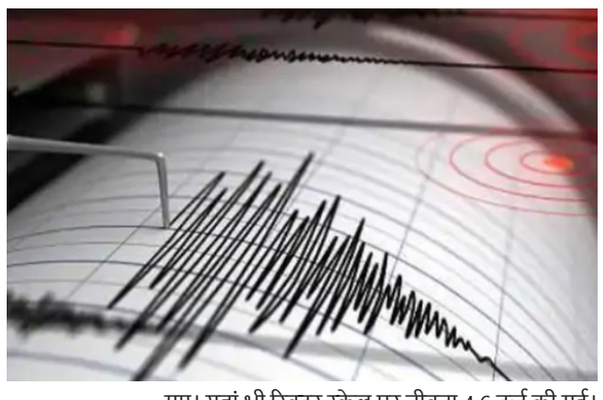

जम्मू । जम्मू-कश्मीर और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। दोनों ही स्थानों पर भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 दर्ज की गई। हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुबह करीब 5:35 बजे भूकंप आया। अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र पट्टन इलाके के आसपास था। सुबह का समय होने की वजह से अधिकांश लोग अपने घरों में ही मौजूद थे। जैसे ही धरती हिली, कई लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। कुछ सेकंड तक झटके महसूस किए गए, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें सतर्क हो गईं और संवेदनशील इलाकों पर नजर रखी जा रही है। प्रारंभिक जांच में किसी बड़ी तबाही या संरचनात्मक नुकसान की सूचना नहीं मिली है। विशेषज्ञों के मुताबिक हिमालयी क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड जैसे इलाके भूकंप जोन में आते हैं, जहां समय-समय पर हल्के और मध्यम झटके महसूस होते रहते हैं। ऐसे झटके बड़े भूकंप की चेतावनी नहीं होते, लेकिन यह याद दिलाते हैं कि इस क्षेत्र में आपदा तैयारी (डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस) बेहद जरूरी है। दूसरी ओर अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां भी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर बताया गया है। द्वीप क्षेत्र होने की वजह से यहां भूकंपीय गतिविधियां अक्सर दर्ज की जाती हैं। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फिलहाल किसी नुकसान या सुनामी जैसी स्थिति का कोई खतरा नहीं है। भूकंप विज्ञानियों का कहना है कि 4 से 5 तीव्रता के भूकंप आम तौर पर मध्यम श्रेणी में आते हैं। इनसे बड़े स्तर पर नुकसान की संभावना कम रहती है, खासकर जब केंद्र गहराई में हो और आबादी कम हो। फिर भी लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। आपदा विशेषज्ञों के अनुसार भूकंप के समय घबराने के बजाय तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाना चाहिए। अगर आप घर के अंदर हैं तो मजबूत मेज या फर्नीचर के नीचे शरण लें, खिड़कियों और भारी सामान से दूर रहें। बाहर हैं तो इमारतों, बिजली के खंभों और पेड़ों से दूरी बनाकर खुली जगह में खड़े रहें।

भारत–EU FTA से पाकिस्तान चिंतित: टेक्सटाइल निर्यात और लाखों नौकरियों पर मंडराया खतरा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय यूनियन (EU) के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) को लेकर पाकिस्तान में चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तानी कारोबारियों और नेताओं का कहना है कि इस डील से वहां करीब 1 करोड़ नौकरियां खतरे में पड़ सकती हैं और अरबों डॉलर के निर्यात पर असर पड़ सकता है। पाकिस्तान के एक नेता ने इसे "जीरो-टैरिफ हनीमून का अंत" बताया है। अब तक पाकिस्तान को EU की GSP प्लस स्कीम के तहत बड़ा फायदा मिलता रहा है। इस योजना के जरिए वह अपने लगभग 66% प्रोडक्ट्स यूरोप में बिना टैक्स के बेच सकता था। खास तौर पर टेक्सटाइल और रेडीमेड कपड़ों के एक्सपोर्ट में उसे बढ़त हासिल थी। वहीं भारत को इसी तरह के सामान पर 9 से 12 फीसदी तक टैक्स देना पड़ता था। इसी वजह से पाकिस्तान का टेक्सटाइल निर्यात भारत से थोड़ा ज्यादा बना हुआ था। लेकिन भारत-EU FTA साइन होने के बाद तस्वीर बदल सकती है। इस समझौते से भारत को यूरोपीय बाजार में कम या शून्य टैरिफ पर पहुंच मिलेगी। इससे भारतीय प्रोडक्ट ज्यादा कॉम्पिटिटिव हो जाएंगे। पाकिस्तानी इंडस्ट्री को डर है कि इससे उनकी कीमत और मार्केट शेयर दोनों पर दबाव पड़ेगा। पाकिस्तान की GSP प्लस सुविधा दिसंबर 2027 तक ही वैध है। अगर इसे आगे एक्सटेंड नहीं किया गया, तो यूरोप में उसकी ड्यूटी-फ्री एंट्री खत्म हो सकती है। ऐसे में भारत को मिलने वाली नई सहूलियत पाकिस्तान के लिए डबल झटका साबित हो सकती है। पाकिस्तान के व्यापारिक संगठनों का कहना है कि EU उनका सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। अगर यहां पकड़ कमजोर हुई, तो टेक्सटाइल सेक्टर, छोटे कारखाने और मजदूरों पर सीधा असर पड़ेगा।

तीन वेस्टर्न डिस्टरबेंस से बदला मौसम:

-राजस्थान-MP में ओले, यूपी के 30 जिलों में घना कोहरा, पहाड़ों पर बर्फबारी

देहरादून । उत्तर भारत का मौसम एक बार फिर तेज़ी से करवट ले रहा है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में ओलावृष्टि दर्ज की गई है, जबकि उत्तर प्रदेश के लगभग 30 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और बारिश का सिलसिला जारी है। हिमाचल प्रदेश के मनाली समेत ऊंचाई वाले इलाकों में ताज़ा बर्फबारी हुई है, जिससे ठंड और बढ़ गई है। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक अगले पांच दिनों में तीन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय होंगे, जो पूरे उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करेंगे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस पहले से सक्रिय हैं, जिनके असर से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 3 फरवरी तक बारिश और बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। इन सिस्टम्स के कारण पहाड़ों पर भारी बर्फ गिर रही है, जबकि मैदानी इलाकों में बादल, बूंदाबांदी और कोहरे की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश और घना कोहरा देखने को मिल रहा है। सोमवार सुबह 7 बजे तक आगरा, सरसावा, बरेली, हिंडन और भटिंडा जैसे इलाकों में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई, जिससे सड़क और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई जगह फ्लाइट्स और ट्रेनें लेट चल रही हैं, वहीं हाईवे पर वाहन चालकों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। IMD ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और आंध्र प्रदेश के समुद्री तट वाले जिलों में अगले कुछ घंटों के लिए घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसका मतलब है कि हालात गंभीर हो सकते हैं और लोगों को खास एहतियात बरतने की जरूरत है। सुबह और रात के समय सफर करने वालों को सावधानी रखने, फॉग लाइट का इस्तेमाल करने और धीमी गति से वाहन चलाने की सलाह दी गई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस दरअसल पश्चिम दिशा से आने वाला एक मौसम सिस्टम होता है, जो सर्दियों के मौसम में उत्तर भारत के मौसम को बदल देता है। इसकी वजह से पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होती है। इससे जहां एक तरफ ठंड बढ़ती है, वहीं रबी की फसलों को भी फायदा मिलता है। हालांकि ओलावृष्टि होने पर किसानों को नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम और काजीगुंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताज़ा बर्फबारी हुई है, जबकि श्रीनगर और दक्षिण कश्मीर के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई।

बजट 2026-27: भारत ने बांग्लादेश की सहायता आधी की

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत सरकार ने पड़ोसी और अन्य देशों को दी जाने वाली आर्थिक मदद (विदेशी सहायता) में अहम बदलाव किया है। इस बार बांग्लादेश के लिए तय की गई मदद को आधा कर दिया गया है। पिछले वर्ष जहां बांग्लादेश को 120 करोड़ रुपये दिए गए थे, वहीं इस साल केवल 60 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। यह कटौती ऐसे समय में हुई है जब भारत-बांग्लादेश रिश्तों में तनातनी देखने को मिल रही है। तनाव की बड़ी वजह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं और वहां की बदली हुई विदेश नीति को माना जा रहा है। 2024 में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ अपने रिश्ते बेहतर करने के संकेत दिए हैं, जिससे क्षेत्रीय कूटनीति का समीकरण बदला है। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, मालदीव और म्यांमार के लिए भी बजट सहायता में कटौती की गई है। मालदीव को इस साल 550 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले साल से कम हैं। म्यांमार के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है, जो पहले के मुकाबले घटा हुआ है। इसके उलट, भूटान के लिए भारत ने मदद बढ़ाई है। इस साल भूटान को 2,288.55 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जो पिछले वर्ष से लगभग 138 करोड़ रुपये ज्यादा हैं। यह दिखाता है कि भारत अपनी "नेबरहुड फर्स्ट" नीति के तहत भरोसेमंद साझेदार देशों को प्राथमिकता दे रहा है। कुल मिलाकर, यह बजट भारत की बदलती कूटनीतिक प्राथमिकताओं का इशारा देता है।

भारत ईरान छोड़ वेनेजुएला से तेल खरीदेगा: ट्रम्प का दावा, डील तय हो चुकी

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत अब ईरान की जगह वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदेगा और इस संबंध में डील पहले ही तय हो चुकी है। ट्रम्प ने यह बात वॉशिंगटन डीसी से एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत के साथ इस समझौते का कांसेप्ट फाइनल है और चीन को भी वेनेजुएला से तेल खरीदने के लिए कहा गया है। हालांकि भारत सरकार की ओर से इस बयान पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से फोन पर बात की थी। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर सहमति जताई। मोदी ने सोशल मीडिया पर इसे भविष्य की साझा विजन वाली बातचीत बताया। गौरतलब है कि अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, जिसके बाद भारत समेत कई देशों ने वहां से तेल खरीदना कम या बंद कर दिया था। उस समय भारत अपने कुल आयात का करीब 6% तेल वेनेजुएला से लेता था। बाद में 2023-24 में कुछ राहत मिलने पर भारत ने फिर सीमित मात्रा में तेल आयात शुरू किया, जो 2025 तक बढ़ा भी। अब फिर सख्ती बढ़ने के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका से मंजूरी लेकर वेनेजुएला से तेल खरीदने की कोशिश में है, ताकि रूस पर निर्भरता कम कर वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित की जा सके।

बजट पर सियासी टकराव:

-मोदी बोले—युवा शक्ति का बजट, राहुल-ममता ने बताया निराशाजनक

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम बजट को "युवा शक्ति का बजट" बताते हुए कहा कि यह देश के भविष्य, स्किल डेवलपमेंट और तेज आर्थिक तरक्की को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वहीं दूसरी तरफ विपक्ष ने बजट को निराशाजनक और बिखरा हुआ करार दिया है। राहुल गांधी, ममता बनर्जी और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे नेताओं ने कहा कि इस बजट में युवाओं, रोजगार और आम जनता के लिए ठोस राहत नजर नहीं आती। बजट को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच साफ तौर पर सियासी मतभेद दिख रहा है। पीएम मोदी ने अपने बयान में कहा कि भारत सिर्फ तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं रहना चाहता, बल्कि दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बजट को "अवसरों का राजमार्ग" बताया और कहा कि यह वर्तमान के सपनों को हकीकत में बदलने वाला दस्तावेज है। उनके मुताबिक देश इस समय रिफॉर्म्स की एक्सप्रेस पर सवार है और यह बजट उन सुधारों को नई रफ्तार देगा। प्रधानमंत्री ने खास तौर पर सनराइज सेक्टर पर जोर देने की बात कही। उन्होंने रेयर अर्थ कॉरिडोर, क्रिटिकल मिनरल्स, टेक्सटाइल और हाईटेक टूल मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों को भविष्य की जरूरत बताया। उनका कहना है कि ये सेक्टर आने वाले समय में भारत को टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री के क्षेत्र में मजबूत बनाएंगे। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं, जिनमें हाई स्पीड रेल कॉरिडोर और टियर-2 व टियर-3 शहरों के विकास पर विशेष ध्यान शामिल है। पीएम मोदी ने कहा कि किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसके नागरिक होते हैं और इस बजट में नागरिकों पर निवेश को प्राथमिकता दी गई है। सरकार का फोकस स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी पर है। युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट, ट्रेनिंग और नए अवसर पैदा करने के लिए कई योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है। संसद में वित्त मंत्री ने भी इसे "युवा शक्ति बजट" बताते हुए कहा कि ऑरेंज इकोनॉमी, टूरिज्म और खेलो इंडिया मिशन के जरिए युवाओं के लिए नए मौके खुलेंगे। बजट में डेटा सेंटर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए टैक्स में बड़ी छूट देने का ऐलान किया गया है, ताकि भारत को दुनिया का डेटा सेंटर हब बनाया जा सके। सरकार का दावा है कि इससे निवेश आएगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। महिलाओं के लिए भी कई प्रावधान किए गए हैं। देश में 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़ी हैं और बजट में इन समूहों को मजबूत करने का प्लान शामिल है। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की बात भी कही गई है। कृषि और डेयरी सेक्टर को भी बजट में अहमियत दी गई है। नारियल, काजू और कोको की खेती करने वाले किसानों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। "भारत विस्तार ऐप" के जरिए किसानों को उनकी अपनी भाषा में जानकारी देने की योजना है, ताकि टेक्नोलॉजी का फायदा सीधे खेत तक पहुंचे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत का एविएशन सेक्टर: तेज़ उड़ान की संभावनाएं, बड़ी चुनौतियां भी साथ

भारत का एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ती संभावनाओं के साथ-साथ कई गंभीर चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हवाई यात्रा करने वाले लोगों की तादाद में जबरदस्त इजाफा हुआ है। मध्यम वर्ग की आय बढ़ने, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजनाओं और सस्ती उड़ानों की वजह से अब हवाई सफर आम लोगों की पहुंच में आ रहा है। इसके बावजूद सेक्टर की ग्रोथ की रफ्तार कई अड़चनों से प्रभावित हो रही है, जिनमें सबसे बड़ी समस्या विमानों और प्रशिक्षित पायलटों की कमी है। भारत आज दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन बाजारों में शामिल है। इंडिगो, एयर इंडिया और अन्य एयरलाइंस लगातार अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं, लेकिन विमान निर्माताओं से समय पर डिलीवरी न मिल पाने से योजनाएं अटक रही हैं। बोइंग और एयरबस जैसी बड़ी कंपनियां सप्लाई चेन की दिक्कत, कच्चे माल की कमी और कुशल मजदूरों के अभाव से जूझ रही हैं। इसका सीधा असर एयरलाइंस की क्षमता और नई उड़ानों की शुरुआत पर पड़ रहा है। अनुमान है कि निकट समय में घरेलू हवाई ट्रैफिक की वृद्धि सीमित रह सकती है, जबकि वैश्विक स्तर पर हवाई यातायात लगातार बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। सकारात्मक पहलू यह है कि आने वाले वर्षों में भारतीय एयरलाइंस को बड़ी संख्या में नए विमान मिलने की संभावना है। इससे सीट क्षमता बढ़ेगी और नए रूट खुलेंगे। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के मुताबिक अगले दो दशकों में भारत का कमर्शियल विमान बेड़ा कई गुना तक बढ़ सकता है। सरकार भी एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा और क्षमता विस्तार पर जोर दे रही है। क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास और नई नीतियों से छोटे शहरों को भी हवाई नक्शे पर लाने की कोशिश हो रही है, जिससे कारोबार और पर्यटन दोनों को फायदा मिलेगा। लेकिन चुनौतियां सिर्फ विमानों की कमी तक सीमित नहीं हैं। पायलटों और टेक्निकल स्टाफ की भारी कमी भी सामने आ रही है। एविएशन इंडस्ट्री को आने वाले वर्षों में हजारों नए पायलटों और इंजीनियरों की जरूरत होगी। मौजूदा ट्रेनिंग संस्थान इस मांग को पूरा करने के लिए काफी नहीं हैं। मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सुविधाओं का भी विस्तार जरूरी है, वरना एयरलाइंस को विदेशों पर निर्भर रहना पड़ेगा, जिससे लागत बढ़ती है। वित्तीय दबाव भी एक बड़ी परेशानी है। ईंधन की ऊंची कीमतें, टैक्स का बोझ और प्रतिस्पर्धा के कारण किराए कम रखना, एयरलाइंस के मुनाफे को प्रभावित करता है। कई कंपनियां कर्ज के दबाव में काम कर रही हैं। ऐसे में उन्हें टैक्स राहत, आसान फाइनेंस और नीतिगत स्थिरता की जरूरत है। साथ ही टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाकर ऑपरेशन को बेहतर बनाया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए उड़ान शेड्यूल, मेंटेनेंस और यात्री प्रबंधन को ज्यादा असरदार बनाया जा सकता है, जबकि साइबर सुरक्षा पर भी खास ध्यान देना होगा। यात्री अनुभव भी सुधार का अहम हिस्सा है। बड़े एयरपोर्ट्स पर भीड़, अव्यवस्था और लंबी प्रक्रियाएं मुसाफिरों को परेशान करती हैं। बेहतर प्रबंधन और डिजिटल सिस्टम से इसे आसान बनाया जा सकता है।

वायुमार्गीय यात्राएं बढ़ती लेकिन सुरक्षा चुनौतियां गहरी, छोटे एयरस्ट्रिप, वीआईपी उड़ान और कमजोर प्रबंधन पर बड़े सवाल खड़े आज हैं

-नेविगेशन कमी, मौसम जोखिम, दबाव में फैसले और ढीले मानक बना रहे हवाई सफर असुरक्षित

विमानों के माध्यम से वायुमार्गीय यात्रा आधुनिक युग की सबसे तेज, सुविधाजनक और प्रभावी परिवहन व्यवस्था मानी जाती है। इसने दुनिया को छोटा बना दिया है और शासन, व्यापार, आपदा प्रबंधन, चिकित्सा सहायता और वीआईपी आवागमन को नई गति दी है। लेकिन इसी के साथ एक सच्चाई यह भी है कि हवाई यात्रा पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं है। समय-समय पर होने वाली विमान और हेलिकॉप्टर दुर्घटनाएं यह याद दिलाती रहती हैं कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो, सुरक्षा प्रबंधन में ज़रा सी चूक भी भयंकर नतीजे दे सकती है। हाल के वर्षों में सैन्य, नागरिक और निजी विमानों से जुड़ी कई गंभीर दुर्घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। इन घटनाओं ने खास तौर पर वीआईपी वायु यात्रा, छोटे एयरस्ट्रिप, निजी हवाई पट्टियों और क्षेत्रीय विमानन ढांचे की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। भारत जैसे विशाल और अधिक जनसंख्या वाले देश में हवाई यात्रा अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। राजनीतिक गतिविधियां, प्रशासनिक दौरे, आपातकालीन सेवाएं और क्षेत्रीय संपर्क—सबके लिए वायु मार्ग अहम हो गया है। ऐसे में यह जरूरी है कि बढ़ती हवाई आवाजाही के साथ सुरक्षा मानकों को भी उसी रफ्तार से मजबूत किया जाए।

हवाई सुरक्षा का बदलता परिदृश्य

पहले हवाई यात्रा को सबसे सुरक्षित परिवहन माध्यम माना जाता था। आज भी सांख्यिकीय रूप से यह सड़क यात्रा की तुलना में अधिक सुरक्षित है, लेकिन घटनाओं की संवेदनशीलता और प्रभाव बहुत बड़ा होता है। एक दुर्घटना सैकड़ों जिंदगियां, करोड़ों की संपत्ति और व्यवस्था पर भरोसा—तीनों को प्रभावित करती है। समस्या का एक पहलू यह भी है कि हवाई नेटवर्क का विस्तार तो तेज़ी से हुआ है, लेकिन हर जगह सुरक्षा ढांचा उसी स्तर पर विकसित नहीं हो पाया। बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर अत्याधुनिक तकनीक, रडार, नेविगेशन और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं, जबकि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों की कई हवाई पट्टियां अभी भी सीमित संसाधनों पर चल रही हैं।

लघु हवाई पट्टियां और कमजोर प्रबंधन

देश में बड़ी संख्या में ऐसी हवाई पट्टियां हैं जो राज्य सरकारों या जिला प्रशासन के अधीन आती हैं। इनका उपयोग चार्टर विमानों, छोटे जेट, हेलिकॉप्टर और वीआईपी उड़ानों के लिए किया जाता है। लेकिन इन जगहों पर अक्सर निम्न समस्याएं देखी जाती हैं: रनवे की अपर्याप्त लंबाई या खराब सतह, रात में लैंडिंग की सीमित सुविधा, आधुनिक लाइटिंग सिस्टम का अभाव, प्रशिक्षित ग्राउंड स्टाफ की कमी, अग्निशमन और मेडिकल रिस्पॉन्स की कमजोर व्यवस्था, नियमित सुरक्षा ऑडिट का न होना, कई बार ये हवाई पट्टियां कागज़ों में "सक्रिय" दिखती हैं, लेकिन व्यवहार में वहां जरूरी उपकरण और प्रशिक्षित कर्मी मौजूद नहीं होते। ऐसे में खराब मौसम या तकनीकी दिक्कत के समय जोखिम कई गुना बढ़ जाता है।

नेविगेशन सुविधाओं की कमी

सुरक्षित उड़ान का सबसे अहम आधार है—सटीक नेविगेशन। बड़े एयरपोर्ट पर ILS (Instrument Landing System), उन्नत रडार, सैटेलाइट आधारित नेविगेशन और ऑटोमैटिक वेदर सिस्टम लगे होते हैं। लेकिन छोटे एयरस्ट्रिप पर यह सुविधाएं या तो नहीं होतीं या बहुत सीमित स्तर पर होती हैं। पायलट को कई बार केवल विजुअल रेफरेंस के आधार पर लैंडिंग करनी पड़ती है। यदि मौसम अचानक बदल जाए—कोहरा, बारिश, तेज हवा या कम दृश्यता—तो स्थिति खतरनाक बन सकती है। इसलिए जरूरी है कि: सभी सक्रिय हवाई पट्टियों पर आधुनिक दृष्टिकोण, पथसंकेतक (Approach Path Indicators) लगाए जाएं, GPS आधारित नेविगेशन सिस्टम अनिवार्य किया जाए, सैटेलाइट आधारित लैंडिंग सहायता को बढ़ावा दिया जाए, बैकअप पावर सिस्टम सुनिश्चित हो

मौसम: सबसे बड़ा अनिश्चित कारक

विमानन में मौसम सबसे बड़ा "अनकंट्रोल्ड फैक्टर" है। पहाड़ी, तटीय और वन क्षेत्रों में मौसम मिनटों में बदल सकता है। अचानक बादल, डाउनड्राफ्ट, विंड शियर और कम दृश्यता जैसी स्थितियां दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। अक्सर देखा गया है कि छोटे एयरफील्ड पर रीयल-टाइम मौसम जानकारी उपलब्ध नहीं होती। पायलट को सामान्य क्षेत्रीय पूर्वानुमान पर निर्भर रहना पड़ता है, जो पर्याप्त नहीं है। समाधान के रूप में: हर हवाई पट्टी पर स्वचालित मौसम सूचना प्रणाली (AWOS) लगे, रीयल-टाइम विंड, विजिबिलिटी और क्लाउड डेटा उपलब्ध हो, उड़ान से ठीक पहले अपडेटेड मौसम ब्रीफिंग अनिवार्य हो, मौसम खराब होने पर "नो-फ्लाई" निर्णय को सम्मान मिले

वीआईपी उड़ान और राजनीतिक दबाव

वीआईपी उड़ानों में एक खास समस्या सामने आती है—समय का दबाव। कार्यक्रम तय होते हैं, भीड़ इंतजार करती है, सुरक्षा तैनाती होती है—ऐसे में उड़ान रद्द या स्थगित करने का निर्णय कठिन हो जाता है। कई बार प्रतिकूल मौसम के बावजूद उड़ान भरने का जोखिम लिया जाता है। यह प्रवृत्ति बेहद खतरनाक है। विमानन का मूल सिद्धांत है—"सेफ्टी ओवर शेड्यूल"। उड़ान का अंतिम निर्णय केवल पायलट और तकनीकी टीम के हाथ में होना चाहिए। यदि पायलट मौसम या तकनीकी कारणों से मना करता है, तो उसे बिना दबाव स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए नीति स्तर पर स्पष्ट नियम हों: वीआईपी भी सामान्य उड्डयन सुरक्षा नियमों से ऊपर न हों, पायलट के निर्णय को अंतिम दर्जा मिले, दबाव डालने वालों पर दंडात्मक प्रावधान हों, वैकल्पिक यात्रा योजना पहले से तैयार हो

उड्डयन मानकों का कड़ाई से पालन

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) निर्धारित होती है। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि पालन की ढिलाई है। कागज़ पर सब ठीक, जमीन पर अधूरा—यह गैप दुर्घटनाओं को जन्म देता है। जरूरी है कि: SOP पालन का डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम हो, हर उड़ान से पहले चेकलिस्ट अनिवार्य रूप से रिकॉर्ड हो, उल्लंघन पर लाइसेंस निलंबन तक की कार्रवाई हो, थर्ड-पार्टी सेफ्टी ऑडिट कराए जाएं

ईंधन और तकनीकी जांच

विमान दुर्घटनाओं में तकनीकी खराबी और ईंधन गुणवत्ता भी अहम कारण रहे हैं। ईंधन में मिलावट, नमी या अशुद्धि इंजन फेलियर का कारण बन सकती है। इसलिए: ईंधन की द्विस्तरीय जांच हो टेक-ऑफ से पहले तकनीकी फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य हो, हर उड़ान का मेंटेनेंस लॉग डिजिटल हो, स्पेयर पार्ट्स की प्रमाणिकता जांची जाए

ग्राउंड सपोर्ट और आपातकालीन तैयारी

सुरक्षा केवल हवा में नहीं, जमीन पर भी तय होती है। यदि रनवे पर आपात स्थिति बने तो तुरंत प्रतिक्रिया जरूरी है। छोटे एयरफील्ड पर यह व्यवस्था कमजोर मिलती है। बेहतर व्यवस्था के लिए: प्रशिक्षित फायर-फाइटिंग टीम मौजूद हो, एम्बुलेंस और मेडिकल स्टाफ तैनात हो, आपदा अभ्यास (ड्रिल) नियमित हो, स्थानीय प्रशासन को भी प्रशिक्षण दिया जाए

पायलट प्रशिक्षण और कार्यघंटे

मानव तत्व (Human Factor) विमानन सुरक्षा का बड़ा हिस्सा है। थकान, तनाव और अधिक कार्यघंटे निर्णय क्षमता को प्रभावित करते हैं। कई मामलों में एक ही चालक दल लगातार कई उड़ानें करता है। सुधार के लिए: अधिकतम ड्यूटी आवर्स सख्ती से लागू हों, अनिवार्य विश्राम अवधि सुनिश्चित हो, वीआईपी उड़ानों के लिए अनुभवी पायलट नियुक्त हों, सिम्युलेटर आधारित नियमित प्रशिक्षण हो

उन्नत संचार तकनीक की भूमिका

आधुनिक संचार तकनीक वायु सुरक्षा को बहुत मजबूत बना सकती है। रीयल-टाइम डेटा लिंक, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, ऑटोमैटिक डिपेंडेंट सर्विलांस (ADS-B) जैसे सिस्टम विमान की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखते हैं। भारत को क्षेत्रीय और निजी विमानन में भी इन तकनीकों का विस्तार करना चाहिए, ताकि हर उड़ान ट्रैक हो सके और आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचे।

एविएशन सेक्टर की तेज उड़ान पर संकट, सिस्टम सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और सुधार पर बजट 2026 से बड़ी उम्मीदें अब टिकी

-कनेक्टिविटी के साथ मजबूत रेगुलेशन, साइबर सुरक्षा और नई एयरलाइंस एंट्री बेहद जरूरी मानी जाए

भारत का एविएशन सेक्टर पिछले एक दशक में तेज़ी से बढ़ा है। नए एयरपोर्ट, रीजनल कनेक्टिविटी, यात्रियों की रिकॉर्ड संख्या और अंतरराष्ट्रीय रूट्स का विस्तार — ये सब मिलकर देश को दुनिया के बड़े एविएशन मार्केट्स की कतार में खड़ा करते हैं। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक परेशान करने वाली सच्चाई भी है। लगातार सिस्टम क्रैश, साइबर अटैक, तकनीकी खराबियां, ऑपरेशनल अव्यवस्था और गंभीर हादसों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी उड़ानें जितनी तेज़ी से बढ़ रही हैं, उतनी ही मजबूती से सुरक्षित भी हैं? बजट 2026 से उम्मीद है कि सरकार सिर्फ कनेक्टिविटी और विस्तार पर ही नहीं, बल्कि एविएशन सिस्टम की मजबूती, सुरक्षा ढांचे और रेगुलेटरी सुधार पर भी ठोस ध्यान देगी।

तेज़ विस्तार, कमजोर बुनियाद

भारत आज दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट्स में शामिल है। हर साल 10–12 प्रतिशत की दर से पैसेंजर ट्रैफिक बढ़ रहा है। नए एयरपोर्ट बन रहे हैं, पुराने एयरपोर्ट्स का विस्तार हो रहा है और सरकार क्षेत्रीय संपर्क योजना के जरिए छोटे शहरों को भी हवाई नक्शे पर ला रही है। कागज पर यह तस्वीर बहुत शानदार लगती है। लेकिन हकीकत यह है कि एविएशन सिर्फ एयरपोर्ट और रनवे से नहीं चलता। इसके लिए मजबूत टेक्निकल सिस्टम, प्रशिक्षित स्टाफ, साइबर सिक्योरिटी, मेंटेनेंस स्ट्रक्चर, एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट और वित्तीय स्थिरता भी उतनी ही जरूरी है। इन मोर्चों पर हमारी तैयारी अक्सर अधूरी दिखाई देती है। पिछले साल में कई ऐसी घटनाएं हुईं जिनसे साफ हो गया कि सिस्टम पर दबाव बढ़ चुका है। टेक्निकल फॉल्ट के कारण उड़ानें प्रभावित हुईं, एयरलाइंस के आईटी सिस्टम ठप पड़े, यात्रियों को घंटों एयरपोर्ट पर इंतज़ार करना पड़ा। इससे यह साफ है कि विस्तार की रफ्तार, सिस्टम की मजबूती से आगे निकल चुकी है।

साइबर अटैक और डिजिटल खतरे

एविएशन सेक्टर आज पूरी तरह डिजिटल नेटवर्क पर टिका है। टिकटिंग, बोर्डिंग, बैगेज, एयर ट्रैफिक कंट्रोल, मेंटेनेंस रिकॉर्ड — सब कुछ आईटी सिस्टम से जुड़ा है। ऐसे में साइबर अटैक अब सिर्फ डेटा चोरी का खतरा नहीं, बल्कि फ्लाइट ऑपरेशन के लिए भी गंभीर रिस्क बन चुका है। हाल के समय में एयरलाइंस और एयरपोर्ट सिस्टम पर साइबर हमलों ने दिखा दिया कि हमारी डिजिटल सुरक्षा अभी पर्याप्त मजबूत नहीं है। एक सिस्टम डाउन होने से सैकड़ों उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यह केवल असुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा का मामला भी है। जरूरत है कि एविएशन साइबर सिक्योरिटी को अलग से प्राथमिकता दी जाए — स्पेशल साइबर कमांड सेंटर, रियल टाइम मॉनिटरिंग, बैकअप सिस्टम और अनिवार्य सिक्योरिटी ऑडिट लागू किए जाएं।

मोनोपोली का बढ़ता खतरा

भारतीय घरेलू एविएशन मार्केट का बड़ा हिस्सा आज दो बड़े समूहों के पास केंद्रित है — इंडिगो और टाटा समूह की एयरलाइंस। बाजार का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं के नियंत्रण में है। यह स्थिति किसी भी सेक्टर के लिए हेल्दी नहीं मानी जाती। जब प्रतिस्पर्धा कम होती है तो किराए बढ़ते हैं, सेवाओं की गुणवत्ता गिरती है और यात्रियों के पास विकल्प कम हो जाते हैं। मोनोपोली का असर लंबे समय में उद्योग को भी नुकसान पहुंचाता है। अगर किसी एक बड़ी कंपनी को ऑपरेशनल या फाइनेंशियल झटका लगे, तो पूरा बाजार हिल सकता है। पहले भी हमने किंगफिशर और जेट एयरवेज जैसी बड़ी एयरलाइंस को बंद होते देखा है। उन संकटों से कोई बड़ा नीति सुधार नहीं निकला। हजारों नौकरियां गईं, एयरपोर्ट स्लॉट खाली हुए और प्रतिस्पर्धा कमजोर हुई। सरकार को चाहिए कि बाजार हिस्सेदारी की सीमा तय करे — जैसे कोई भी एयरलाइन 30 प्रतिशत से अधिक मार्केट शेयर न रख सके। इससे नए खिलाड़ियों को जगह मिलेगी और संतुलन बनेगा।

'उड़ान' योजना का बदला हुआ सच

सरकार की 'उड़ान' योजना का मकसद था — आम आदमी को सस्ती हवाई यात्रा उपलब्ध कराना और छोटे शहरों को जोड़ना। शुरुआत में 2500 रुपये तक के किराए की बात कही गई थी। लेकिन अब हकीकत अलग दिख रही है। कई रूट्स पर किराया कैपिंग भी बहुत ऊंची सीमा तक पहुंच गई है। कई छोटे एयरपोर्ट बन तो गए, लेकिन वहां नियमित उड़ानें नहीं चल रहीं। कुछ जगहों पर यात्री संख्या कम है, तो कहीं ऑपरेशनल लागत ज्यादा है। इससे साफ है कि योजना के इरादे अच्छे थे, लेकिन इकोनॉमिक मॉडल मजबूत नहीं बनाया गया। कनेक्टिविटी सिर्फ एयरपोर्ट बनाने से नहीं आती — उसे टिकाऊ बनाने के लिए एयरलाइन इकोनॉमिक्स, फ्यूल कॉस्ट, टैक्स स्ट्रक्चर और डिमांड का सही आकलन जरूरी है।

भारी टैक्स और महंगा एटीएफ

भारतीय एविएशन सेक्टर की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है — ऊंची लागत। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) पर भारी टैक्स लगता है। अलग-अलग राज्यों में टैक्स दरें अलग हैं, जिससे एयरलाइंस की लागत और बढ़ जाती है। एटीएफ कुल ऑपरेटिंग कॉस्ट का बड़ा हिस्सा होता है। जब फ्यूल महंगा होगा तो टिकट भी महंगा होगा। इससे यात्रियों की संख्या प्रभावित होती है और नई एयरलाइंस के लिए बाजार में आना मुश्किल हो जाता है। जरूरी सुधार यह है कि एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। इससे टैक्स ढांचा सरल होगा, लागत घटेगी और सेक्टर में निवेश बढ़ेगा।

एयरपोर्ट शुल्क और छिपे हुए चार्ज

आज यात्रियों को सिर्फ टिकट का किराया नहीं देना पड़ता, बल्कि कई तरह के अतिरिक्त शुल्क भी चुकाने पड़ते हैं — यूजर डेवलपमेंट फीस, एयरपोर्ट डेवलपमेंट फीस, सुविधा शुल्क, सर्विस चार्ज आदि। एयरपोर्ट्स के निजीकरण के बाद कई जगह शुल्क बढ़े हैं। एयरपोर्ट अब ट्रांजिट हब कम और कमर्शियल मॉल ज्यादा लगने लगे हैं। चमकदार टर्मिनल, सेल्फी पॉइंट और महंगे फूड आउटलेट तो हैं, लेकिन बेसिक सुविधा और ऑपरेशनल दक्षता कई बार कमजोर दिखती है।

चीन में सैन्य जनरलों की सफाई तेज, क्या ताइवान पर हमले से पहले शी जिनपिंग कर रहे बड़ी तैयारी

-भ्रष्टाचार जांच, सत्ता केंद्रीकरण और PLA बदलाव से बढ़ीं 2027 ताइवान संकट की आशंकाएं

दुनिया की सियासत में चीन को अक्सर "स्थिरता" का प्रतीक बताने की कोशिश की जाती है। पिछले साल दिसंबर में चीन के एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा था कि अनिश्चितता से भरी दुनिया में चीन सबसे बड़ा स्थिर और भरोसेमंद देश है। लेकिन हाल के महीनों में चीन के भीतर जो राजनीतिक और सैन्य घटनाक्रम सामने आए हैं, वे इस दावे पर सवाल खड़े करते हैं। खासकर जब शीर्ष सैन्य जनरलों पर जांच, बर्खास्तगी और गायब होने की खबरें आती हैं, तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई नहीं लगती—बल्कि सत्ता के केंद्रीकरण और संभावित सैन्य तैयारी का संकेत भी मानी जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है: क्या चीन की सेना में चल रहा "शुद्धिकरण अभियान" ताइवान पर संभावित हमले की तैयारी से जुड़ा हुआ है? क्या राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने नियंत्रण को इतना मजबूत कर लेना चाहते हैं कि किसी बड़े सैन्य कदम से पहले कोई अंदरूनी विरोध न बचे?

सत्ता और सेना पर शी जिनपिंग की पकड़

शी जिनपिंग जब 2012 में सत्ता में आए, तब से उन्होंने दो बड़े अभियान चलाए—एक, भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम, और दूसरा, पार्टी व सेना पर पूर्ण नियंत्रण। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) के बीच रिश्ता हमेशा गहरा रहा है। चीन में सेना सरकार की नहीं, पार्टी की सेना मानी जाती है। इसलिए जो भी पार्टी पर काबिज है, वही सेना पर असली नियंत्रण रखता है। पिछले कुछ सालों में शी ने बार-बार यह साफ किया है कि सेना की वफादारी सीधे उनके प्रति होनी चाहिए। उन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों से कहा कि सेना "पार्टी की बंदूक" है और उसे पार्टी के आदेश पर चलना होगा। इसी सोच के तहत उन्होंने सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल किए। हालिया घटनाक्रम में शीर्ष सैन्य अधिकारियों—जैसे वरिष्ठ जनरल झांग यूशिया और एक अन्य बड़े जनरल लियू झेन ली—पर जांच की खबर ने सबको चौंकाया। जब इतने ऊंचे स्तर के अधिकारी जांच के घेरे में आते हैं, तो यह सिर्फ कानूनी मामला नहीं रहता, बल्कि राजनीतिक संदेश भी बन जाता है।

भ्रष्टाचार विरोध या वफादारी की जांच?

आधिकारिक तौर पर चीन इन कार्रवाइयों को भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा बताता है। रिपोर्टों के मुताबिक 2025 में दस लाख से अधिक अधिकारियों की जांच भ्रष्टाचार के मामलों में हुई। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है और बताता है कि मुहिम कितनी व्यापक है। लेकिन पश्चिमी विश्लेषक और कई स्वतंत्र विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सिर्फ भ्रष्टाचार की लड़ाई नहीं है। यह "राजनीतिक सफाई" भी है—यानी ऐसे लोगों को हटाना जो पूरी तरह शी जिनपिंग की लाइन से सहमत नहीं हैं या जिनकी अपनी ताकत और नेटवर्क है। चीन की सेंट्रल कमेटी के 205 पूर्णकालिक सदस्यों में से दर्जनों के "गायब" होने की खबरें भी इसी ओर इशारा करती हैं। आधिकारिक बयान कम आते हैं, लेकिन अनुमान यही लगाया जाता है कि वे जांच के घेरे में हैं या साइडलाइन कर दिए गए हैं। सेना के अखबारों में जब किसी जनरल की बर्खास्तगी को "भ्रष्टाचार के खिलाफ युद्ध" कहा जाता है और साथ में "नेतृत्व की अवहेलना" का आरोप जोड़ा जाता है, तो साफ समझ आता है कि मामला सिर्फ पैसे का नहीं, निष्ठा का भी है।

युद्ध से पहले सेना का पुनर्गठन — इतिहास क्या कहता है?

इतिहास में कई उदाहरण मिलते हैं जहां बड़े सैन्य अभियान से पहले सत्ता ने सेना का ढांचा बदला, नेतृत्व हटाया और अपने भरोसेमंद लोगों को आगे बढ़ाया। इसका मकसद होता है—निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करना और विरोध की आवाजों को कम करना। युद्ध या बड़े सैन्य ऑपरेशन के समय नेतृत्व को ऐसे कमांडर चाहिए होते हैं जो आदेश पर सवाल न उठाएं। रणनीतिक बहस जरूरी होती है, लेकिन अंतिम निर्णय पर अमल उससे भी ज्यादा जरूरी माना जाता है। अगर चीन ताइवान को लेकर गंभीर सैन्य विकल्प पर विचार कर रहा है, तो संभव है कि वह पहले सेना की कमान पूरी तरह अपने विश्वस्त अधिकारियों को देना चाहता हो।

ताइवान क्यों है इतना अहम?

ताइवान चीन के लिए सिर्फ एक द्वीप नहीं है, बल्कि प्रतिष्ठा, राष्ट्रवाद और राजनीतिक वैधता का सवाल है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को अलग राजनीतिक इकाई की तरह चलाता है। ताइवान की अपनी सरकार, सेना और लोकतांत्रिक व्यवस्था है। शी जिनपिंग ने कई बार कहा है कि "राष्ट्रीय एकीकरण" अधूरा है और ताइवान का चीन में विलय ऐतिहासिक मिशन है। उन्होंने यह भी कहा है कि इसे हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता। अमेरिकी अधिकारियों और कई रणनीतिक रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि चीन ने अपनी सेना को 2027 तक ताइवान पर कब्जे के लिए तैयार रहने का लक्ष्य दिया है। यह जरूरी नहीं कि हमला निश्चित है, लेकिन तैयारी का स्तर बढ़ाने का संकेत जरूर है।

क्या ताइवान खुद अपना बचाव कर पाएगा?

सैन्य विशेषज्ञ मानते हैं कि ताइवान अकेले चीन की पूरी ताकत का सामना लंबे समय तक नहीं कर पाएगा। चीन की सेना संख्या, हथियार, नौसेना और मिसाइल क्षमता में बहुत आगे है। ताइवान की रक्षा रणनीति "डिटरेंस" यानी हमले की कीमत बढ़ाने पर आधारित है। अमेरिका ताइवान को हथियार, मिसाइल सिस्टम और रक्षा तकनीक देता रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है—अगर वास्तविक हमला होता है, तो क्या अमेरिका सीधे युद्ध में उतरेगा? इस पर अमेरिकी नीति जानबूझकर अस्पष्ट रखी गई है। यही अनिश्चितता चीन की रणनीति का भी हिस्सा हो सकती है।

आंतरिक सफाई से सेना कमजोर या मजबूत?

पेंटागन जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट में कहा गया है कि इतने बड़े स्तर पर जांच और बर्खास्तगी से सेना की कार्यक्षमता कुछ समय के लिए प्रभावित हो सकती है।

केंद्र सरकार का बजट देश के सभी वर्गों को निराश करने वाला है- डोटासरा

जयपुर । केन्द्र सरकार की ओर से प्रस्तुत बजट 2026 को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने निराशाजनक बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेशवासियों को डबल इंजन सरकार बनने पर विकास का भरोसा दिलाया था किन्तु इस बजट में राजस्थान के विकास के लिए कोई प्रावधान और घोषणा नहीं हुई और ना ही कोई राष्ट्रीय परियोजना प्रदेश को मिली, ना ही किसी योजना के लिए विशेष पैकेज प्रदेश को केन्द्र सरकार के बजट में मिला है। ईआरसीपी जैसी महत्वकांक्षी परियोजना का राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं होना तथा जल जीवन मिशन के तहत् कोई विशेष पैकेज नहीं मिलना राजस्थान वासियों के साथ केन्द्र द्वारा किए गए सौतेले व्यवहार का बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दुगुनी करने का वादा 2014 में किया था किन्तु आज भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए थोथी घोषणा कर वाहवाही लूटना चाहते है। इस बजट की घोषणाओं में भी राजस्थान के किसानों द्वारा उगायी जाने वाले फसलों व उत्पादों को शामिल नहीं कर प्रदेश के किसानों के हितों के साथ कुठाराघात किया गया है। पर्यटन के क्षेत्र में भी राजस्थान के लिए किसी प्रकार की राहत भरी घोषणा नहीं की गई जबकि राजस्थान में भरपूर सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर है किन्तु बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम सहित समस्त पुरा महत्व के स्थानों को ट्यूरिस्ट हब की योजना से महरूम रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में बुलेट ट्रेन की घोषणा वर्षों पूर्व कर चुके है अब सात हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणाएं हुई है किन्तु हाईस्पीड रेल कॉरिडोर और फ्रेट कॉरिडोर से राजस्थान प्रदेश को वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर आज भी स्थित है इसे बढ़ाने के लिए व्यापक योजना की आवश्यकता थी जिसका बजट में अभाव है। देश में कोई जनकल्याणकारी योजना लागू होने की घोषणा नहीं हुई और ना ही मनरेगा की जगह बनी नई योजना के लिए बजट घोषणा हुई है। गरीब और मध्य वर्गीय परिवारों को महंगाई से राहत देने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए है। युवाओं को रोजगार देने हेतु भी किसी प्रकार के प्रावधान नहीं किए गए है। देश से निवेशक अपनी पूँजी निकाल रहे है, घरेलू बचत गिर रही है और बाजार में अस्थिरता का माहौल डर के साथ व्याप्त हो गया है। केन्द्र सरकार का बजट देश के सभी वर्गों को निराश करने वाला है।

नए बजटीय प्रावधानों और इंसेंटिव्स का लाभ लेने के लिए राजस्थान पूरी तरह तैयार - भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 12 साल से देश वित्तीय अनुशासन और स्थायित्व के साथ विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने रविवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट को आत्मनिर्भर से विकसित, संभावनाओं से उपलब्धियों और संकल्प से सिद्धि की ओर ले जाने वाला बजट बताया। उन्होंने कहा कि इस बजट में नए भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति को आगे लाने की प्रतिबद्धता का भी पूरा ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय बजट पर सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति केन्द्रित इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और सर्विस सेक्टर पर फोकस बढ़ाने वाले प्रावधान किए गए हैं, इससे युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। एक लाख एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल, 1 लाख 50 हजार केयर गिवर्स और टूरिस्ट गाइड्स को कौशल प्रशिक्षण से भी युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एवीजीसीएक्सआर पॉलिसी पहले ही लागू की जा चुकी है। अब माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में कंटेट क्रियेटर लैब्स की स्थापना से राजस्थान के युवाओं को दोहरा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बजट में महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने, कृषि अवसंरचना एवं बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाने और जोखिम घटाने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

हैवी मशीनरी निर्माण के लिए प्रदेश में निवेश का किया आह्वान:-

शर्मा ने कहा यूरोप के साथ ऐतिहासिक समझौता होने के बाद

इस बजट ने देश के छोटे-बड़े उद्योगों, मैन्युफैक्चरर्स, कारीगरों और कामगारों को वैश्विक बाजार में जगह बनाने के लिए नई दिशा दिखाई है। बायो फार्मा, केमिकल्स, टेक्सटाइल, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट जैसे क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उन्होंने उद्योग जगत का आह्वान किया कि कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर की हैवी मशीनरी के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बजट में लाई गई विशेष योजना का लाभ लेते हुए राजस्थान के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अपनी इकाइयां लगाएं। उन्होंने कहा कि इस बजट से प्रदेश के निर्यातकों को नए खुल रहे बाजारों में निर्यात वृद्धि के अवसर भी मिलेंगे।

राजस्थान के सोलर सेक्टर को मिलेगी नई गति:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में राजस्थान की संभावनाओं और आवश्यकताओं को पूरा स्थान मिला है। अक्षय ऊर्जा के लिए 30 प्रतिशत ज्यादा करीब 32 हजार 914 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसी प्रकार पीएम सूर्यघर योजना को 22 हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। सोलर ग्लास मैन्युफेक्चरिंग में प्रयोग आने वाले सोडियम एंटीमोनेट के आयात पर कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। बीईएसएस में उपयोग में आने वाले लीथियम आयन सेल बैटरी निर्माण में प्रयुक्त पूंजीगत सामानों के लिए कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है। राजस्थान सौर ऊर्जा में पहले से ही अग्रणी प्रदेश है, अब इन प्रावधानों से प्रदेश के सौर ऊर्जा क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर प्रावधानों से प्रदेश होगा लाभान्वित:-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में सेमीकंडक्टर नीति, एआईएमएल नीति और डेटा सेंटर नीति लागू की हैं। इसलिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, एआई मिशन, नेशनल क्वांटम मिशन, इलेक्ट्रोनिक कम्पोनेन्ट मेनुफेक्चरिंग स्कीम, डेटा सेंटर और क्लाउड सर्विसेज को दिए गए इंसेंटिव्स का फायदा लेते हुए सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर हब बनने के लिए प्रदेश पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि एसएमई विकास निधि और आत्मनिर्भर भारत टॉपअप छोटे उद्योगों के लिए बड़ी सौगात हैं।

ब्राह्मणों को कांग्रेस की तरफ मोड़ना बड़ी चुनौती !

-सुनील शर्मा को बनाया गया जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष
-ब्राह्मण समाज ने वर्तमान में पूरी तरह भाजपा की तरफ रुख कर लिया है
-कांग्रेस को जयपुर में ज्यादातर मुस्लिम, दलित एवं पिछड़े समाज का समर्थन मिलता है

मुन्ना खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । कांग्रेस हमेशा ऐसे निर्णय लेती है जो राजनीति के हिसाब से सही साबित नहीं होते । ऐसे ही एक निर्णय में कांग्रेस पार्टी ने जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर सुनील शर्मा को नियुक्त किया है । यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस को जयपुर शहर का ब्राह्मण समाज वोट नहीं देता है, कांग्रेस को मुस्लिम, दलित, आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग के लोग ही समर्थन करते हैं । फिर भी कांग्रेस में ब्राह्मण वर्ग के कांग्रेसी सुनील शर्मा को जयपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि जिलाध्यक्ष पद पर मुस्लिम दलित और पिछड़े वर्ग के कांग्रेस कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष बनाने की संभावना व्यक्त की जा रही थी । वैसे सुनील शर्मा एक बुद्धिजीवी कांग्रेस कार्यकर्ता हैं और शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने बड़ा काम किया है । सुनील शर्मा ने ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी को बड़ी मेहनत से स्थापित किया है । लेकिन जमीनी स्तर के कार्यकर्ता वह नहीं हैं । कांग्रेस कार्यालय और यूनिवर्सिटी कार्यालय तक उनकी सीमाएं रही हैं, वैसे सुनील शर्मा आर्थिक रूप से संपन्न कांग्रेसी नेता हैं । पिछले विधानसभा चुनाव में उनका हवा महल विधानसभा क्षेत्र से टिकट घोषित हो चुका था, लेकिन जयपुर डायलॉग प्लेटफार्म से उनका नाम जुड़ने के कारण टिकट बदलकर आरआर तिवारी को दे दिया गया था । जयपुर डायलॉग सोशल प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस के खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाया जाता है । सुनील शर्मा को आरआर तिवारी के स्थान पर जिलाध्यक्ष बनाया गया है । आरआर तिवारी ने हवा महल विधान सभा सीट जो कांग्रेस के लिए आसान सीट मानी जाती है, असफल चुनाव प्रचार के चलते हरवा दी ।

सुनील शर्मा के सामने चुनौतियां-

जयपुर शहर में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि ब्राह्मण समाज को कांग्रेस पार्टी के साथ जोड़ें, क्योंकि वर्तमान में ब्राह्मण समाज कॉंग्रेस को 1-2 प्रतिशत के अलावा वोट नहीं देता है । ब्राह्मण समाज बीजेपी का कोर वोटर है । यदि सुनील शर्मा को जिलाध्यक्ष के रूप में कांग्रेस पार्टी में सफल होना है तो 15-20 प्रतिशत ब्राह्मण समाज के लोगों को कांग्रेस से जोड़ना जरूरी है । यदि ऐसा नहीं हो पाया तो कांग्रेस पार्टी फिर किसी ब्राह्मण को कभी जिलाध्यक्ष नहीं बनाएगी और ना ही विधानसभा टिकट देगी । दूसरी बड़ी चुनौती नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा के लिए यह हो सकती है कि नगर निगम जयपुर चुनाव में मुसलमानों का रुझान एआईएमआईएम की ओर बढ़ सकता है, क्योंकि महाराष्ट्र निकाय चुनाव में एआईएमआईएम को मुस्लिम क्षेत्रों में भारी सफलता मिली है । यदि जयपुर में कांग्रेस से मुस्लिम वोटर छिटक गया तो कांग्रेस का जयपुर में कमजोर प्रदर्शन को कोई रोक नहीं सकता है । वैसे नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को अच्छे वक्ता, लॉजिकल भाषण देने में पारंगत एवं ज्ञानवान माना जाता है, बावजूद इसके उनको जमीन स्तर पर उतरना पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी के लिए कर्मठ कार्यकर्ताओं की टीम खड़ी करनी होगी।

नगर निगम चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती-

जयपुर नगर निगम चुनाव अप्रैल 2026 तक होने की संभावना है । भाजपा की प्रदेश सरकार ने जयपुर में दोनों नगर निगमों को मिलाकर 150 वार्ड का एक ही नगर निगम बना दिया है । वार्डों का पुनर्गठन इस तरह किया गया है जिनमें भाजपा को हराना आसान नहीं होगा । फिर भी राजनीति में अच्छे कार्यकर्ताओं की मेहनत और अच्छी नीतियों से जीता जा सकता है । जयपुर शहर कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण भाजपा का गढ़ बन गया है । कांग्रेस यदि कांग्रेस के मेहनती और भविष्य की सोच रखने वाले नेता राहुल गांधी की नीतियों पर चलती है तो धरातल पर मजबूत हो सकती है । जयपुर में कांग्रेस को सिर्फ मुसलमानों ने जिंदा रख रखा है । यदि मुसलमान किसी कारण से छिटक गए तो कांग्रेस को बड़ी परेशानी होगी, इसलिए नगर निगम चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मुसलमानों के हक की बातें भी करनी चाहिए और कांग्रेस को मजबूत करना चाहिए ।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली । 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट में UGC के नए नियमों के खिलाफ याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने नियमों पर रोक लगा दी। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि नया नियम भ्रम पैदा करता है। सुप्रीम कोर्ट में UGC के नए नियमों के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए रोक लगा दी। 29 जनवरी 2026 को हुई सुनवाई में CJI सूर्यकांत की बेंच ने फैसला सुनाया और सरकार को नोटिस जारी कर के जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों पर रोक लगाई-

UGC के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि अभी 2012 वाले नियम ही लागू रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 19 मार्च 2026 तक केंद्र सरकार और UGC को नोटिस जारी कर के जवाब मांगा है। यानी अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। CJI सूर्यकांत ने नियमों पर रोक लगाते हुए पूछा कि क्या हम जाति विहीन समाज की तरफ बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं? हमने देखा है कि हॉस्टल में छात्र एक साथ रहते हैं। नए नियमों से अलग हॉस्टल बन जाएंगे। ऐसा नहीं होना चाहिए। इस बीच जस्टिस बागची ने भी कहा कि समाज और देश में एकता के लिए काम करना चाहिए। CJI सूर्यकांत ने कहा, 'हम सरकार से जवाब लेंगे। ऐसी परिस्थिति से कुछ लोग लाभ ले सकते हैं। एक विशेषज्ञ कमिटी भी बनाई जा सकती है।'

नया नियम समाज में भेदभाव पैदा करेगा-

याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा, 'संविधान ने सबको संरक्षण दिया है। सभी नागरिकों की रक्षा होनी चाहिए। लेकिन नया नियम भ्रमित करता है और समाज में भेदभाव पैदा करता है। इसमें सिर्फ OBC, SC और ST की बात की गई है।' याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि नियम 3(e) में भेदभाव की परिभाषा पहले से है। इसके रहते 3(c) की क्या जरूरत है। यह समाज मे विभेद पैदा करने वाला है। वकील ने कहा, 'मैं इन तबकों के अलावा बाकी से भी भेदभाव के उदाहरण दे सकता हूं, लेकिन ऐसा नहीं कर रहा।' इस पर CJI सूर्यकांत ने कहा, 'इसकी जरूरत नहीं है। हम सिर्फ यही देख रहे हैं कि नए नियम अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) के हिसाब से सही हैं या नहीं हैं।'

UGC के नए नियम क्या हैं?-

हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्यूनिटी सेंटर यानी EOC बनेगा। EOC पिछड़े और विंचित छात्रों को पढ़ाई, फीस और भेदभाव से जुड़ी मदद देगा। हर कॉलेज में समता समिति बनानी होगी, जिसके अध्यक्ष कॉलेज के प्रमुख होंगे। कमेटी में SC, ST, OBC, महिलाएं और दिव्यांग शामिल होंगे। इस कमेटी का कार्यकाल 2 साल होगा। कॉलेज में इक्वलिटी स्क्वाड भी बनेगा, जो भेदभाव पर नजर रखेगा। भेदभाव की शिकायत पर 24 घंटे में मीटिंग जरूरी होगी। 15 दिन में रिपोर्ट कॉलेज प्रमुख को देनी होगी। कॉलेज प्रमुख को 7 दिन में आगे की कार्रवाई शुरू करनी होगी। EOC हर 6 महीने में कॉलेज को रिपोर्ट देगा। कॉलेज को जातीय भेदभाव पर हर साल UGC को रिपोर्ट भेजनी होगी। UGC राष्ट्रीय निगरानी कमेटी बनाएगा। नियम तोड़ने पर कॉलेज की ग्रांट रोकी जा सकती है। कॉलेज के डिग्री, ऑनलाइन और डिस्टेंस कोर्स पर रोक लग सकती है। गंभीर मामलों में UGC की मान्यता भी रद्द हो सकती है।

जयपुर के महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पर गंभीर संकट, सरकार की लापरवाही उजागर

-स्कूल में छात्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का नाम तक नहीं जानते
-टीचर काफी कम संख्या में स्कूल आते हैं और मिड-डे मील में अव्यवस्था देखने लायक है

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सी-स्कीम, रेजिडेंसी, सरदार पटेल मार्ग स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल की स्थिति देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा। यह स्कूल सन 1914 में अंग्रेज़ों के समय स्थापित किया गया था और कभी शिक्षा का प्रमुख केंद्र माना जाता था। लेकिन रॉयल पत्रिका की टीम की हालिया जांच में सामने आया कि इस स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और बुनियादी सुविधाएं बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन गई हैं। स्कूल प्रशासन और शिक्षक वर्ग की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े होते हैं। स्कूल में कुल 25 शिक्षक तैनात हैं, जिनमें से लगभग 12–15 शिक्षक बीएलओ ड्यूटी में लगे हुए हैं और नियमित रूप से स्कूल नहीं आते। शिक्षक केवल नाम के लिए उपस्थित होते हैं या पढ़ाई में सक्रिय नहीं हैं। प्रिंसिपल भावना मीना के नेतृत्व में भी प्रशासनिक निगरानी इतनी कमजोर है कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। रॉयल पत्रिका की टीम ने जब 12वीं कक्षा के छात्रों से बातचीत की, तो यह सामने आया कि किसी भी छात्रों को मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का नाम तक नहीं पता था। साथ ही शिक्षा मंत्री के बारे में कुछ नहीं बता पाए। छात्रों ने बताया कि कई बुनियादी सवालों के उत्तर उन्हें नहीं आते। अपनी ही पाठ्यपुस्तक

से सवाल पूछने पर भी वे असमर्थ रहे। यह स्थिति साफ़ दर्शाती है कि बच्चों को बुनियादी शिक्षा और नागरिक ज्ञान तक नहीं मिल रहा।

स्कूल में क्या स्थिति है-

स्कूल में कुल 207 विद्यार्थी पढ़ते हैं, लेकिन उनकी पढ़ाई का स्तर बहुत कम है। 1 से 5 कक्षा तक के छात्र एक ही कमरे में बैठाए गए हैं। उनकों पढ़ाने के लिए भी 1 ही टीचर, जिससे छोटे और बड़े बच्चों की पढ़ाई समान स्तर पर होने के बावजूद सीखने में भारी कमी है। इससे कक्षा का अनुशासन और पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चे स्कूल में बाइक पर स्टंट करते हैं, फ़ोन लाते हैं और कई बार क्लास छोड़कर भाग जाते हैं। अनुशासन के कोई सटीक नियम नहीं हैं। 11वीं और 12वीं कक्षा के विज्ञान और गणित के पेपर निर्धारित तीन दिनों में निपटने थे, लेकिन शिक्षक भारी बोझ के कारण केवल दो दिन में ही उन्हें पूरा कर रहे हैं।

मिड-डे-मील की व्यवस्था गंभीर-

मिड-डे-मील योजना में 2 हजार करोड़ का घोटाला सामने आया उसके बाद अभी तक कोई सुधार नहीं है मिड-डे मील व्यवस्था भी गंभीर समस्या बनी हुई है। स्कूल में भोजन परोसने वाला कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं था। छोटे बच्चे खुद ही भोजन निकालकर दूसरों को दे रहे थे और मिट्टी में बैठकर भोजन करना मजबूरी बन गया था। इसके अलावा परिसर में भारी गंदगी और कूड़ा-कचरा फैला हुआ था। सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह मात्र ₹1500 प्रतिमाह है, जो स्पष्ट रूप से साफ-सफाई के प्रति लापरवाही को दिखाती है।

भवन और शिक्षा व्यवस्था दयनीय-

रॉयल पत्रिका की जांच में यह भी सामने आया कि सरकारी लापरवाही के बावजूद बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए किए जाने वाले दावों और वादों का कोई असर नहीं दिख रहा। बच्चों की पढ़ाई और अनुशासन पूरी तरह ख़राब हैं, और शिक्षक तथा प्रशासन केवल नाममात्र के प्रयास कर रहे हैं। इस बीच, इस स्थिति पर ध्यान देते हुए, टीम की रिपोर्ट और उनके सामाजिक दृष्टिकोण भी बच्चों की शिक्षा और सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं। ऐसे स्कूलों में बच्चों को सही तरीके से पढ़ाना और उनका संरक्षण करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और बच्चों को मूलभूत नागरिक ज्ञान तक नहीं देना शिक्षा व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। महात्मा गांधी सरकारी स्कूल, रेजीडेंसी, जयपुर में बच्चों की पढ़ाई की यह हकीकत यह सवाल उठाती है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों का भविष्य कितना सुरक्षित है। 207 विद्यार्थियों की संख्या के बावजूद शिक्षक और प्रशासन की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है। भवन की जर्जर स्थिति, भवन सभी जर्जर हालत में है स्थिति इतनी ख़राब है कि 8-10 कमरों में ताले लगे हुए हैं पढ़ाई में कमी, अनुशासनहीनता, मिड-डे मील और स्वच्छता की कमी – सभी मिलकर यह स्पष्ट करती हैं कि सरकारी शिक्षा तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता है।

करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी सड़कों, गलियों एवं रास्तों में गंदगी

-जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और सिस्टम में गहरी खामियां नजर आ रही हैं

हरी सिंह चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर, जिसे गुलाबी नगरी के नाम से जाना जाता है, जयपुर नगर निगम की लापरवाही के कारण गंभीर अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। शहर के कई इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली साफ नजर आ रही है। गंदे सार्वजनिक शौचालय, कचरे से अटी सड़कें और खुले बिजली के तार न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि आम लोगों की जान को भी खतरे में डाल रहे हैं। शहर के प्रमुख इलाकों जैसे सीताराम बाजार, ब्रह्मपुरी और शंकर नगर में बने सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति बेहद खराब है। इन शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, बदबू के कारण आसपास खड़ा होना मुश्किल हो जाता है और साफ-सफाई की कोई व्यवस्था दिखाई नहीं देती। वहीं शंकर नगर इलाके में हालात और भी चिंताजनक हैं। यहां कई स्थानों पर बिजली के तार खुले हुए नजर आते हैं, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। बरसात के मौसम में ये खुले तार जानलेवा साबित हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो बिजली विभाग और न ही नगर निगम कोई ठोस कार्रवाई करता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा शंकर नगर सहित शहर के कई इलाकों में सड़कें कचरे से भरी पड़ी हैं। जगह-जगह प्लास्टिक, गीला कचरा और मलबा जमा है, जिससे न केवल आवाजाही में दिक्कत हो रही है, बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। मच्छरों और बदबू के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। साफ-सफाई के नाम पर नगर निगम द्वारा किए जा रहे बड़े-बड़े दावों की पोल इन हालातों ने खोल कर रख दी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर निगम हर साल सफाई और रखरखाव पर करोड़ों रुपये खर्च करता है, तो फिर जमीनी स्तर पर हालात इतने खराब क्यों हैं? क्या यह लापरवाही जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता का नतीजा है या फिर सिस्टम में गहरी खामियां हैं?

अरमान मलिक की कप्तानी पारी से कॉरपोरेट T20 कप में एलीट ईगल वॉरियर का दबदबा

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कॉरपोरेट T20 कप क्रिकेट टूर्नामेंट में एलीट ईगल वॉरियर के कप्तान अरमान मलिक ने अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम को लगातार मजबूती प्रदान की है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उनका योगदान एलीट ईगल वॉरियर की सफलता का मुख्य आधार बनकर सामने आया है। हाल ही में खेले गए मुकाबले में एलीट ईगल वॉरियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 213 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इस पारी में कप्तान अरमान मलिक ने 44 गेंदों में 78 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उनकी इस पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके साथ हरप्रीत ने 42 रन और देवेश चौधरी ने नाबाद 39 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूती दी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट चार्जर्स की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और एलीट ईगल वॉरियर की सधी हुई गेंदबाजी के सामने पूरी तरह बिखर गई। पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 66 रन पर ऑलआउट हो गई। गेंदबाजी में कप्तान अरमान मलिक ने बेहतरीन लय में गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 22 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके और मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। पूरे टूर्नामेंट की बात करें तो अरमान मलिक का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। अब तक खेले गए 7 मैचों में उन्होंने 337 रन बनाकर रन तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही 9 विकेट लेकर वे गेंदबाज़ी में भी अग्रणी खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन से एलीट ईगल वॉरियर की टीम कॉरपोरेट T20 कप की मजबूत खिताबी दावेदार बनकर उभरी है।

दारूल उलूम अता-ए-रसूल का 11 वां वार्षिक जलसा संपन्न

-तालीम से ही समाज की तरक्की संभव- मौलाना फ़ज़ले हक

कोटा.(रॉयल पत्रिका) हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दारूल उलूम अता-ए-रसूल का 11 वां वार्षिक जलसा, रज़ा नगर में मनाया गया, जिसमे आलिम हाफ़िज़ बनने वाले तलबावों को सर्टिफिकेट व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जलसे में उलेमाओ इमामों व शहर के बुद्धिजीवियों ने शिरकत की। जलसे की सरपरस्ती डॉ. सैय्यद महफ़ूज़ुर्रहमान इमाम जामा मस्जिद चन्द्रघटा व अध्यक्षता मौलाना फज़्ले हक पूर्व चेयरमेन राजस्थान मदरसा बोर्ड ने की। मुफ़्ती शाहबाज़ आलम ने निज़ामत की। समाजसेवी मुहम्मद मियाँ मुख्य अतिथि रहे। आसिफ़ ख़ान, हशरूद्धीन पठान, ज़फ़र अली ठेकेदार, शैख़ वकील, लियाक़त अली, सोनू अब्बासी पार्षद विशिष्ट अतिथी रहे। मुफ़्ती सलीमुर्रहमान, मौलाना सईद मुख़्तार, मौलाना अलाउद्दीन, मौलाना कमरुद्दीन, हाफ़िज़ यामिन, क़ाज़ी इमरान ने मदरसों को दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा से और जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. सैय्यद महफ़ूज़ुर्रहमान द्वारा दारूल उलूम अता-ए-रसूल के संस्थापक मौलाना मोहम्मद फज़्ले हक, हाजी मुहम्मद मियाँ व हाजी अब्दुल अज़ीज़ के नाम की शिलापट्टी लगाकर उद्घाटन किया।

एसडीपीआई के स्टेट ट्रेजरार की बेटी का निकाह सादगी के साथ सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर में इन दिनों मस्जिदों में निकाह की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है। जिससे कि समाज में अच्छा संदेश जा रहा है, इसी के तहत सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर हुसैन रंगरेज की बेटी आसिमा का निकाह मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी रेहान अली से मस्जिद बारां भाईयान में सादगी के साथ सम्पन्न हुआ, निकाह मुफ्ती मोहम्मद उमर साहब ने पढ़ाया। निकाह में किसी भी प्रकार का दहेज नहीं दिया ओर नहीं लिया गया। न ही पहरावनी की कोई रस्म हुई। निकाह की मजलिस में शहर के कई गणमान्य लोगों के अलावा एसडीपीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, प्रदेशाध्यक्ष अशफाक हुसैन, प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य इफ्तिखार अहमद बबलू, जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू सहित कई लोगों ने शिरकत कर दूल्हा दुल्हन को नेक दुआओं से नवाजा।

सुकेत अवैध अतिक्रमण का विरोध बना विवाद, महिला ने अधिशाषी अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका सुकेत क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने प्रशासनिक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मामला सुकेत थाना क्षेत्र के होली खूंट वार्ड नंबर 15 का बताया जा रहा है। पीड़िता हीरा बाई का आरोप है कि उनके मकान के पास सरकारी नाले और आम रास्ते पर अवैध अतिक्रमण कर चबूतरा बनाया जा रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति द्वारा उनके साथ गाली-गलौच की गई। महिला का कहना है कि नगर पालिका में शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता का आरोप है कि 29 जनवरी को जब नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र सांखला मौके पर पहुंचे, तो अतिक्रमण हटाने के बजाय उन्होंने महिला के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोप है कि अधिशासी अधिकारी ने महिला को गंभीर मामले में फंसाने, थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने और रिपोर्ट कराने पर थाने में ही पिटाई करवाने तक की धमकी दी। महिला का कहना है कि एक जिम्मेदार सरकारी अधिकारी द्वारा इस तरह का व्यवहार न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि एक महिला की गरिमा पर सीधा हमला भी है। पीड़िता हीरा बाई ने इस पूरे मामले को लेकर उपखंड अधिकारी चारु वर्मा और पुलिस उप अधीक्षक घनश्याम मीणा को लिखित शिकायत देकर अवैध अतिक्रमण हटाने और अधिशासी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में एसडीएम और पुलिस उप अधीक्षक ने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र सांखला ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं, वे केवल मौके पर स्थिति का जायजा लेने गए थे और उनका महिला से कोई विवाद नहीं हुआ।

अवैध हथियारों के विरुद्ध झालरापाटन पुलिस की कार्यवाही

-एक अवैध देशी रिवॉल्वर बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 31.01.2026 की रात्रि को थाना झालरापाटन पुलिस ने अवैध हथियारों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अभियुक्त संजय उर्फ जीवन के कब्जे से एक अवैध देशी रिवॉल्वर बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। घटना का विवरण अभियुक्त की गिरफ्तारी, जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करी व अवैध हथियारों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने बाबत विशेष अभियान चलाया जाकर जिले के समस्त थानाधिकारियों को अधिकाधिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए हुए है। अभियान के तहत भागचन्द मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के सुपरविजन, हर्षराज सिंह खरेडा वृत्तिधिकारी वृत झालावाड के निर्देशन मे अल्का पु.नि. थानाधिकारी थाना झालरापाटन के नेतृत्व में थाना झालरापाटन पर गठित विशेष टीम द्वारा 31.01.2026 की रात्रि को गश्त एवं अवैध कार्यों की चैकिंग के दौरान ग्रोथ सेन्टर चौराहा झालरापाटन से अभियुक्त संजय उर्फ जीवन निवासी ग्राम चांदियाखेडी थाना सदर झालावाड के कब्जे से एक अवैध देशी रिवॉल्वर बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। अभियुक्त से अवैध हथियार कंहा से लाया तथा हथियार कब्जे मे रखने के प्रयोजन के सम्बन्ध मे अनुसंधान किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्तः- संजय उर्फ जीवन पुत्र रामदयाल जाति यादव उम्र 23 साल निवासी नई कॉलोनी चांदियाखेडी थाना सदर झालावाड़ जिला झालावाड़।

पुलिस टीमः- अल्का पु.नि. थानाधिकारी उ.नि. सुनील कुमार, कानि. सूरज करण, विशेष भूमिका- करण सिंह कानि. (आसूचना अधिकारी)

नियम पालन और जागरुकता ही सड़क पर सुरक्षा की गारंटी - विधायक मीणा

-जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान 2026 का समापन

शब्बीर हुसैन

बारां(रॉयल पत्रिका)। किशनगंज विधायक डॉ. ललित मीणा ने कहा कि थोड़ी सी लापरवाही के कारण होने वाले सड़क हादसे जीवनभर की पीड़ा देते हैं। सजगता और जागरूकता से हम इन दुर्घटनाओं से स्वयं और परिवार की रक्षा कर सकते हैं। जिले में बीते एक माह के दौरान वाहन चालकों और आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान के माध्यम से सराहनीय कार्य किया गया है। जिससे सड़कों पर होने वाले हादसों में कमी आएगी। विधायक मीणा ने यह बात शनिवार को जिले में पिछले एक माह से चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान 2026 के जिला परिषद के सभागार में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सावधानी और लापरवाही से बचाव ही दुर्घटनाओं से बचने का सबसे बड़ा माध्यम है। सभी को यातायात नियमों का पालन करते हुए नियंत्रित गति के साथ वाहन चलाने का संकल्प लेना चाहिए। विधायक ने इस अवसर पर सभी को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलवाई। जिला परिवहन अधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की नोडल अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में संचालित अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में योगदान देने वाले व प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अधिकारियों, संस्थाओं एवं प्रतिभागियों को भी सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी, किशनगंज उपखंड अधिकारी राकेश कुमार, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास दुर्गाशंकर मीणा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी गेंदालाल रैगर, जिला शिक्षा अधिकारी हरिमोहन गालव भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में संबोधित करते हुए जिला परिवहन अधिकारी डॉ. शर्मा ने अपने प्रतिवेदन में माह भर आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता रैलियों, प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता अभियानों की जानकारी साझा की तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आमजन से यातायात नियमों की पालना करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बाल गायक नवांश गौतम ने सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा पर आधारित सुमधुर व प्रेरक गीत की प्रस्तुति दी। साथ ही अपेक्स स्कूल और अन्य विद्यालय के बच्चों ने सड़क सुरक्षा गीत सुनाए और नुक्कड़ टीम द्वारा प्रेरक रोल प्ले किया गया। जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य हरीश कुमार एवं रघुवीर सहित अन्य सहयोगियों संस्था सदस्यों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. हेमलता वैष्णव द्वारा किया गया।

एक ही रात में दो घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

-मुक्तिधाम से एक बार फिर अस्थियां गायब, पहले भी गायब हो चुकी हैं अस्थियां, लोगों में आक्रोश

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। शहर के मुक्तिधाम में अस्थियों के मायब होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। बार-बार हो रही इन घटनाओं ने मुक्तिधाम की सुरक्षा व्यवस्था, देखरेख और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताब मामला उस समय उजागर हुआ, जब परिजन तीये की सम के लिए मुक्तिधाम पहुंचे। लेकिन वहां अस्थियां और राख खुर्द-बुर्द अथवा पूरी तराहा गावच मिली। हनुवंतखेड़ा रोड निवासी मनी बाई पानी मोगीलाल माली (95) के निधन के बाद परिजन जब तीये की ररंग के लिए मुक्तिधाम पहुंचे, तो उनकी अस्थियां बिखरी हुई एवं क्षतिग्रस्त अवस्था में मिलीं। यह दृश्य देखवन परिजन स्तब्ध या गए और मुक्तिधाम की अव्यवस्था को लेकर गहरा रोष जताया। इसी तरह दूसरी घटना पंजाबी गली निवासी कंचन चाई पत्नी गोरधन लाल सेन (उम्र 70 वर्ष) से जुड़ी है। 28 जनवरी की रात्रि अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अंतिम संस्कार के बाद जब परिजन घटनाओं पर तत्काल रोक लगाने की मांग, क्षेत्रवासियों का कहना है कि मुक्तिधाम जैसी अत्यंत संवेदनशील जगह पर सुरक्षा, निगरानी और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। परिजनों ने स्थानीय प्रशासन को मामले की की सूचना देकर निष्पक्ष जांच कराने और ऐसी घटनाओं परतत्काल रोक लगाने की मांग की है। जीये की रस्म के लिए मुक्तिधाम पहुंचे, तो वहां उनकी अस्थियां और राख पूरी तरह गायब मिलीं। परिजनों का कहना है कि अस्थियों को सुरक्षित मुक्तिधाम में रखा गया था। लेकिन रस्म के समय वहां कुछ भी नहीं मिला। एक ही रात में दो घटनाएं सामने आने के बाद परिजनों एवं शहरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। लोगों ने मुक्तिधाम की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी रामगंजमंडी मुक्तिधाम में ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 22 दिसंबर को पंजाबी समाज के रामप्रकाश मदान की अस्थियां गायव हुई थीं।। जनवरी को ब्रहापुरी बाजार नंबर दो निवासी मुन्नी बाई सोनी की अस्थियां लापता मिली थी। जबकि 6 जनवरी की गायत्री धाम कॉलोनी निवासी लीला देवी की अस्थियां और राख पूरी तया गायब पाई गई थीं।

पालिकाध्यक्ष ने परिजनों को दी सांत्वना-

घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल मुक्तिधाम पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही उन्होंने जल्द ही मुक्तिधाम परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का भरोसा दिलाया। इनका कहना है सूचना मिली थी कि मुक्तिधाम में दी परिवार तीये की रस्म के लिए पहुंचे थे। एक मामले में कंचन बाई की अस्थियां पूरी तरह गायब पाई गई। जबकि दूसरे मामले में मनी बाई माली की अस्थियों और राख को खुर्द-बुर्द किए जाने का प्रयास हुआ है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद स्थित्ति स्पष्ट की जाएगी।

इंजी. इंसाफ आजाद के सान्निध्य में गुजरात प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की बैठक संपन्न

सूरत/कोटा (रॉयल पत्रिका)। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से सूरत में एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष कदीर बावा पीरज़ादा तथा इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद पीरज़ादा, एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, नेशनल को-ऑर्डिनेटर, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग एवं गुजरात प्रभारी की प्रेरक उपस्थिति एवं सानिध्य में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में मुस्लिम समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों एवं SIR विषय पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन वजीर खान ने मार्गदर्शक संबोधन देते हुए संगठन की मजबूती, समाज के अधिकारों की रक्षा तथा भविष्य की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर कांग्रेस की विचारधारा को सशक्त करने और समाजहित में निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

जिक्र इलाही ई-मित्र संचालक अमजद गौरी फर्जीवाड़ा जालसाजी करके फरार

-जाली हस्ताक्षर और नकली मोहर से तैयार करता था दस्तावेज

-फर्जी पहचान पत्र बनवाने का खेल उजागर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र जिक्र इलाही ई-मित्र संचालक अमजद गौरी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर में संचालित जिक्र इलाही ईमित्र संचालक अमजद गौरी की ओर से फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनाने को लेकर फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर लोगों से मोटी रकम वसूलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में चोमू तहसीलदार डॉक्टर विजयपाल बिश्नोई ने चोमू थाने में ईमित्र संचालक सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट दी है ।तहसीलदार डॉक्टर बिश्नोई ने बताया कि गोरी कॉलोनी निवासी अब्दुल सलाम और मदीना कॉलोनी निवासी सबिया यासमीन ने मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए जिक्र इलाही ईमित्र पर आवेदन किया था इन आवेदनों के साथ संलग्न मतदाता पहचान पत्रों पर संदेह होने पर 2008 की विधानसभा मतदाता सूची में नाम खोजे गए तो दोनों के नाम सूची में नहीं मिले जांच में स्पष्ट हुआ कि प्रस्तुत किए गए मतदाता पहचान पत्र फर्जी है तहसीलदार ने बताया कि उक्त ईमित्र मदीना कॉलोनी में जिक्र इलाही नाम से संचालित है। जिक्र इलाही संचालक अमजद गोरी से संपर्क किया तो संचालक ने फोन बंद कर लिया। तहसीलदार विजयपाल बिश्नोई ने बताया कि 19 जनवरी को जब संचालक से पूछताछ के लिए संपर्क किया तो उसने फोन बंद कर लिया और कार्यालय आने से बचता रहा मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस थाना चोमू को पत्र लिखकर आरोपी ईमित्र संचालक अमजद गौरी के खिलाफ जालसाजी,सरकारी दस्तावेजों ,से छेड़छाड़ और कूटरचना की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने को लेकर रिपोर्ट दि है। अमजद गोरी ने राजपत्रित अधिकारियों के नाम से जाली हस्ताक्षर, किए दस्तावेजों की जांच में आवेदनों में दो राजपत्रित अधिकारियों डॉक्टर टीकमचंद आनंद, उपनिदेशक पशुपालन विभाग और प्रवीण कुमार अतिरिक्त निदेशक पशुपालन विभाग के हस्ताक्षर और मोहर भी संलग्न थे जब व्हाट्सएप पर हस्ताक्षरों के फोटो भेज कर सत्यापन किया गया तो दोनों अधिकारियों ने साफ कहा कि ये हस्ताक्षर और मोहर फर्जी है। 3000,₹ की वसूली करता था। जांच के दौरान सामने आया कि ईमित्र संचालक अमजद गोरी ने आवेदकों से प्रति आवेदन ₹50 की निर्धारित फीस के बजाय ₹3000 वसूले हैं सबिया यासमीन ने बताया कि अमजद ने कहा था कि यहां वहां पैसे डालने होंगे इसलिए अधिक राशि देनी होगी आवेदकों ने यह भी स्वीकार किया कि अमजद ने कई अन्य लोगों से भी इसी तरह रकम लेकर दस्तावेज तैयार किए हैं।

वीर हनुमान जी की खोल में करोड़ों का विकास, तिबारियों की बुकिंग अब भी ऑफलाइन

-जनआस्था से जुड़ी सुविधा को डिजिटल करने की उठी ठोस मांग

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) द्वारा नांगल भरड़ा स्थित वीर हनुमान जी की खोल में करोड़ों रुपये की लागत से किए गए विकास कार्यों के बावजूद तिबारियों की बुकिंग आज भी ऑफलाइन संचालित होने से श्रद्धालुओं को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसी जनसमस्या को लेकर शनिवार को पूर्व पार्षद राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कचोलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पहुंचकर विधायक डॉ. शिखा मील बराला को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्मा ने बताया गया कि जेडीए द्वारा लगभग 31 करोड़ रुपये की लागत से तिबारियों, सड़क, पार्किंग सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास कराया गया है, वहीं हाल ही में 9 करोड़ 15 लाख रुपये की अतिरिक्त विकास योजनाओं को भी सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसके बावजूद तिबारियों की बुकिंग व्यवस्था का ऑफलाइन रहना, डिजिटल इंडिया की सोच और आधुनिक व्यवस्थाओं के विपरीत है। पूर्व पार्षद वर्मा ने बताया कि देश-प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु अपनी मन्नत पूर्ण होने पर सवामणि, भंडारा व अन्य धार्मिक आयोजनों हेतु तिबारी बुकिंग के लिए बार-बार व्यक्तिगत रूप से आने को मजबूर हैं। कई बार लंबी दूरी तय करने के बाद यह कहकर लौटा दिया जाता है कि तिबारी पहले से बुक है, जिससे श्रद्धालुओं का समय, धन और श्रम तीनों व्यर्थ हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन व्यवस्था के कारण पारदर्शिता का अभाव बना हुआ है तथा मनमानी को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं, जो जनआस्था से जुड़े इस पवित्र स्थल की व्यवस्थाओं पर प्रश्न खड़े करती हैं। करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का वास्तविक लाभ तभी सार्थक होगा, जब व्यवस्थाएं भी आधुनिक, पारदर्शी और श्रद्धालु अनुकूल हों। ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने विधायक डॉ. शिखा मील बराला से मांग की कि वीर हनुमान जी की खोल में तिबारियों की बुकिंग व्यवस्था को पूर्णतः ऑनलाइन किया जाए, डिजिटल भुगतान की सुविधा लागू हो, तिबारियों की उपलब्धता व शुल्क की जानकारी रियल-टाइम सार्वजनिक पोर्टल पर प्रदर्शित की जाए तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन व ई-मेल सपोर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई जाए।

सीरत सराय चैरेटी ट्रस्ट में ध्वजा रोहण

भीलवाडा (रॉयल पत्रिका)। स्टेशन रोड स्थित सीरत सराय (मुसाफिर खाना) में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह शान-ओ-शौकत से मनाया गया। प्रात 11:30 बजे संस्था के ट्रस्टी अब्दुल सलाम मंसूरी ने ध्वजारोहण किया। ट्रस्ट के चैयरमेन शब्बीर अहमद शेख व सेक्रेट्री अब्दुल सलाम मंसूरी ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला व साथ ही वक्फ तरमीम कानून 2025 के मद्देनजर हुकुमत-ए-हिन्द के सैन्ट्रल "उम्मीद पोर्टल" पर वक्फ जायदादों को अपलोड करने के बारे जानकारी दी। और उम्मीद पोर्टल पर बहतरीन खिदमात को अन्जाम देने पर ट्रस्ट के मुलाजिमों की हौसला अफजाई के बतौर गुलपोशी कर ऐजाज नामा से नवाजा गया। साथ ही मुल्क के अमनो अमान और तरक्की के लिए भी दुआं की गई।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं हेतु 6 वां शिविर आयोजित किया

भीलवाडा (रॉयल पत्रिका)। सोशियल वेल्फेयर सोसायटी, भीलवाडा द्वारा दाई हलिमा मेटरनिटी और जनरल हॉस्पिटल परिसर में 6 वां शिविर सुबह 10 से 2 बजे तक आयोजित किया गया। इस शिविर मे गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क जाच की गई, वजन और बीपी की जाच की वरिष्ठ महिला चिकित्सक द्वारा परामर्श दिया गया। आवश्यकतानुसार दवाइया दी गई और पोषाहार भी उपलब्ध कराया गया।

शिविर में आये अन्य मरीजों को भी चिकित्सकों द्वारा जाच कर आवश्यक परामर्श और सलाह नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। शिविर में डॉ. फरजाना सिद्दीकी, रमजान खान, माया डेविड, अरविन्द मसीह, मोहम्मद एजाज, मोहम्मद हनीफ, डॉ. फरियाद मोहम्मद, मोहम्मद रफीक अंसारी, शबबीर अहमद शेख, मोहम्मद असलम खान ने सेवाए दी और व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। इस तरह हर माह 9, 18, 27 तारीख को यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

तेली महा पंचायत राजस्थान के प्रांतीय उपाध्यक्ष साजिद तुगलक ने चूरू पहुंचने पर मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरिया का अभिनंदन किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित सिकरीया कॉलोनी वार्ड नंबर 4 के अब्दुल गनी सिकरिया के पोते मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरीया ने जैसलमेर पोकरण के दारुल मदरसे से मुफ्ती की डिग्री हासिल की जो इस्लाम में मुफ्ती उस उच्च शिक्षित इस्लामी विद्वान या न्यायविद (Jurist) को कहते हैं जो शरिया (इस्लामी कानून) की व्याख्या करने और धार्मिक विषयों पर आधिकारिक राय देने के योग्य हो।

मुफ्ती की मुख्य पहचान और कार्य निम्नलिखित हैं-

फतवा जारी करनाः मुफ्ती द्वारा किसी कानूनी या धार्मिक प्रश्न के उत्तर में दी गई औपचारिक राय को 'फतवा' कहा जाता है। योग्यताः मुफ्ती बनने के लिए कुरान, हदीस, और न्यायशास्त्र (Fiqh) का गहरा ज्ञान होना अनिवार्य है। मार्गदर्शनः वे निकाह, तलाक, विरासत और अन्य व्यक्तिगत या सामाजिक मामलों में मुस्लिम समुदाय का मार्गदर्शन करते हैं। सर्वोच्च पदः किसी देश या क्षेत्र के सबसे बड़े मुफ्ती को 'ग्रैंड मुफ्ती' कहा जाता है। इस्लाम में मुफ्ती का ओहदा बेहद जिम्मेदारी और इल्म वाला होता है। मुफ्ती वह विद्वान होता है जिसे इस्लामी कानून (शरीयत) में महारत हासिल होती है और वह कुरान व हदीस की रोशनी में नए और पेचीदा मसाइल (मुद्दों) पर कानूनी राय यानी 'फतवा' देने का अधिकार रखता है । मुफ्ती बनने के लिए केवल आलिम होना काफी नहीं, बल्कि उसे इफ्ता के उसूलों की गहरी समझ होनी चाहिए। एक मुफ्ती का काम समाज को धार्मिक मार्गदर्शन देना और रोजमर्रा की समस्याओं का शरिया के मुताबिक हल बताना है। जबकि एक 'काजी' (न्यायाधीश) का फैसला लागू करना अनिवार्य होता है, मुफ्ती की राय एक धार्मिक सलाह होती है जिसे लोग अपनी आस्था के आधार पर मानते हैं। सुन्नी इस्लाम

में मुफ्ती-ए-आजम का पद सबसे ऊंचा माना जाता है, जो पूरे मुल्क के लिए मजहबी रहनुमाई का काम करता है। मुफ्ती मोहम्मद शफीक के पिता मोहम्मद रफीक सिकरीया ने बताया कि हमारे तेली समाज में इसे से पहले मेरे भाई हाफिज मोहम्मद फारूक ने भी हाफिज की डिग्री हासिल कर कोम तेलियांन का नाम रोशन किया और आज मेरे बेटे ने मुफ्ती बनकर समाज कोम तेलीयान को नई दिशा दी है। हमारे लिए बहुत ही फक्र की बात है। हमारे समाज में शिक्षा का अभाव था। लेकिन आज दिन और दुनिया की दोनों शिक्षाओं को अहमीयत दी जा रही है। समाज में खुशी की लहर है आज मुफ्ती बनकर मेरा बेटा जब शहर में पहुंचा तो रेलवे स्टेशन से लेकर घर तक समाज व अन्य लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया और रैली के रूप में घर तक लेकर आए रास्ते में जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। नई सड़क पर तेली महापंचायत राजस्थान के उपाध्यक्ष साजिद तुगलक, अनवर तुगलक, जाफर चौहान, असलम मलनस, सैयद चौहान, असगर चौहान, सलीम चौहान, की तरफ से फूल मालाओं से स्वागत किया एवं गौरी इलेक्ट्रॉनिक के आगे हारून गोरी, जाकिर गोरी, इस्माइल चौहान, मोहम्मद रफीक चौहान, बबलू चौहान द्वारा स्वागत किया गया। मोहम्मदी चौक पर समाज की ओर से स्वागत किया गया। मस्जिद तेलियान, मदीना मस्जिद, तौकीर उलूम, बादशाह कॉलोनी, तुगलक नगर, सिकरिया कॉलोनी, पहुंचे रास्ते में जगह-जगह मोहल्ले वासियों ने स्वागत किया। इस मौके पर चाचा मुबारक सिकरीया, हाफिज मोहम्मद फारूक, मकसूद मंडावरिया, मोहम्मद समीर मंडावरिया, सोहेल चौहान आदि उपस्थित रहे एवं सभी का आभार जताया।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा किया गया अभिनंदन

-"किताबों से करें दोस्ती"- डॉ. अरबाज एवं डॉ. फैसल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर डॉ. अरबाज खान पुत्र मरहूम एजाज खान एवं डॉ. फैसल सोलंकी पुत्र अयुब सोलंकी के FMGE एग्जाम क्लियर करने पर इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसाइटी चूरू द्वारा दोनों बच्चों के निवास पर पहुँच कर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा शिक्षा सफलता की सुनहरी चाबी है जो आपके सपनों के बंद दरवाजों को खोल सकती है यह केवल डिग्री हासिल करना नहीं बल्कि खुद को बेहतर बनाना है कठिन परिश्रम से की गई पढ़ाई कभी बेकार नहीं जाती। आज का संघर्ष कल की जीत का आधार बनेगा शिक्षित बनो सशक्त बानो तभी कामयाबी मिलेगी। प्रतिनिधि मंडल में सोसाइटी

के अध्यक्ष शौकत अली खान (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर), जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गोरी (पूर्व पीएमओ), वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब (रिटायर्ड एडिशनल एसपी), कोषाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान (प्रिंसिपल), शिक्षाविद खुर्शीद गौरी, शिक्षाविद सादिक खान, संवाददाता मोहम्मद अली पठान,अयुब खान गौड़ आदि शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन गोविन्द महनसरिया, वरिष्ठ नेता रियाजत खान, इस्माइल खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी), अयुब गौड़, रहमान खान शिक्षाविद, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉ अरबाज़ खान व डॉ फैसल सोलंकी ने सोसायटी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के अभिनन्दन से समाज के अन्य बच्चों को भी मोटिवेशन एवं प्रेरणा मिलती हैं।

पूर्व नगरपरिषद सभापति पायल सैनी को मिली बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी

-राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव नियुक्त

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा जी की स्वीकृति से राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की चौथी सूची जारी की गई है। इस सूची में चूरू जिले की पूर्व नगरपरिषद सभापति पायल सैनी को राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव नियुक्त किया गया है। पायल सैनी नगरपरिषद चूरू की सभापति के रूप में रहते हुए जनहित, शहरी विकास एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और ज़मीनी राजनीति की मजबूत पकड़ को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। अपनी नियुक्ति पर पायल सैनी ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा जी,

राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सरिका सिंह जी एवं समस्त पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस दायित्व को पूरी निष्ठा, समर्पण और संघर्ष के साथ निभाते हुए महिलाओं, युवाओं और आमजन की आवाज़ को संगठन के माध्यम से मजबूती से आगे बढ़ाएँगी। उनकी नियुक्ति से चूरू जिले सहित पूरे राजस्थान में महिला कांग्रेस संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

दारुल उलूम इस्हाकिया में इस्लामी शिक्षा का भव्य उत्सव, 18 छात्राओं को मिली धार्मिक उपाधियाँ

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मुफ़्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मुफ़्ती शेर मोहम्मद खान रज़वी की सरपरस्ती में आध्यात्मिक इस्लामी शिक्षण संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया की शाखा मदरसा फ़ातिमा तुज़्ज़हरा बालिका तकनीकी केंद्र का वार्षिकोत्सव समारोह, हदीस-ए-बुख़ारी शरीफ़ का वाचन तथा इस्लामी डिग्री वितरण समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में आलिमा शबनम फ़ातिमा, आलिमा इकरा फ़ातिमा, आलिमा सना फ़ातिमा एवं आलिमा नूरानी फ़ातिमा सहित स्थानीय तथा बाहर से पधारी विदुषी आलिमाओं ने इस्लामी शिक्षा के महत्व पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के अभाव में मानव जीवन अधूरा रह जाता है तथा न तो सांसारिक जीवन में और न ही परलोक में सफलता संभव है। पैग़म्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के कथन "शिक्षा नूर है"

का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसी नूर के प्रकाश से मानव अपने लक्ष्य तक पहुँचता है। दारूल उलूम इस्हाकिया के प्रवक्ता शौकत अली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर कुल 18 तालिबात (छात्राओं) को इस्लामी डिग्रियों से सम्मानित किया गया। इनमें 6 छात्राओं को आलिमा, 2 को हाफ़िज़ा तथा 10 को मुबल्लिगा की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर मुफ़्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मुफ़्ती शेर मोहम्मद रज़वी ने इस्लामी शिक्षा की विभिन्न उपाधियों का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि जो महिला क़ुरआन-ए-करीम, हदीस, फ़िक़्ह, तफ़्सीर एवं अरबी भाषा की विधिवत शिक्षा प्राप्त कर दीन की गहन समझ रखती है, उसे आलिमा कहा जाता है। जिसने संपूर्ण क़ुरआन-ए-पाक को हिफ़्ज़ कर शुद्ध तज्वीद के साथ तिलावत की हो, वह हाफ़िज़ा कहलाती है। वहीं समाज में क़ुरआन व हदीस की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर नैतिकता, भाईचारा एवं सद्भाव का संदेश देने वाली महिला मुबल्लिगा कहलाती है। कार्यक्रम के दौरान देश में आपसी भाईचारे, राष्ट्रीय एकता, खुशहाली, देश-प्रेम, अमन एवं शांति के लिए विशेष दुआएँ की गईं।

गंदे पानी की निकासी को लेकर एवं दूषित पानी से भरे हुए घड़ों को लेकर पहुंचे आमजन

-नगर परिषद का किया घेराव

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के नागरिकों ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में गन्दे पानी का मटका लेकर शहर के विभिन्न वार्डो में गन्दे पानी के भराव को लेकर नगर परिषद चूरू का घेराव किया गया।आसिफ खान ने बताया कि चूरू शहर के वार्ड नं 21,30,42,18,03 सहित विभिन्न वार्डो में गन्दे पानी के भराव के कारण आमजन को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,जल भराव गन्दे पानी की गेनाणी बन चुकी है जिससे आमजन के घरों में पानी जाने लगा है,आमजन के आवागमन में परेशानी हो रही है,गन्दा पानी बीमारियों का घर

बन चुका है व सीवरेज का दूषित पानी बहुत बड़ी समस्या बनी हुई हैं। आमजन गन्दे पानी का मटका लेकर नगर परिषद पहुंची है ताकि प्रशासन को भी पता चले आमजन किस हालात से गुजर रहा हैं। एसी प्रकोष्ठ कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कल्ला, अनीश खान, आज़म कुरैशी, विमल ओझा, अमन दाधिच, आमीन खाँ, रि.एएसएम, शब्बीर खाँ, महबूब खान, सुरेंद्र बरोड़, एडवोकेट आबिद हुसैन, सहित सेंकडो की संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने चूरू निज निवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार हमीदा बेगम ने अपने निज निवास चूरू पर ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए लोगों से मुलाकात की ओर शहर के गणमान्यजनों से शहर की दशा और दिशा पर चर्चा की जब मनरेगा के बारे में ग्रामीणों ने चर्चा की तो आपने कहा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह योजना न केवल अकुशल श्रमिकों को साल में 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।मेरे विचार में, मनरेगा ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण पलायन को रोकने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। हालांकि, समय पर भुगतान न होना और भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि इन खामियों को दूर किया जाए, तो यह योजना समावेशी विकास का सबसे सशक्त माध्यम बनी रहेगी। लाभार्थियों के लिए नरेगा जॉब कार्ड जैसे डिजिटल टूल पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक रहे हैं। गरीबों का सुरक्षा कवचः

पार्टी के अनुसार, यह योजना केवल रोजगार नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसने करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। बदलाव का विरोधः वर्तमान में, केंद्र सरकार द्वारा योजना का नाम बदलकर "विकसित भारत- जी राम जी" (VB-G RAM G) करने और इसमें किए जा रहे संरचनात्मक बदलावों का कांग्रेस कड़ा विरोध कर रही है। यह गरीबों के अधिकारों पर हमला है भाजपा सरकार बजट में कटौती और भुगतान में देरी करके इस कानूनी अधिकार को कमजोर कर रही है। यह सरकार नाम बदलकर मनरेगा को कमजोर बनाना चाहती है। मास्टर मुंशीराम खारा, राकेश कुमार, नरेंद्र शर्मा, कालूराम, महबूब खान,राधेश्याम जी, अली खान, आदि काफी संख्या उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस पर आयोजित ब्लड कैम्प में 65 युवाओं ने किया रक्तदान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार 30 जनवरी को बुझावड़ स्थित मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक एवं मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरमैन मोहम्मद अतीक ने बताया कि हमारे आदर्श एवं देश के मुख्य स्वतंत्रता सेनानी की शहादत दिवस पर यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने एवं गांधीजी के बताये सत्यमार्ग पर चलने के उद्देश्य से ये ब्लड कैम्प आयोजित किया गया। यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान ने बताया कि विश्वविद्यालय की विभिन्न संकायों की फैकल्टी एवं स्टूडेन्ट सहित कुल 65 लोगो ने रक्तदान किया और रक्तदान के प्रति आमजन को जागरूक करने का संकल्प लिया। हिन्दी विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेहाना बेगम ने बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यूनिवर्सिटी के सभी स्टाफ सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रख उन्हें खिराजे अकीदत (श्रंद्धाजलि) पेश की। डिपार्टमेन्ट ऑफ पब्लिक हैल्थ के

असिस्टेंट प्रोफेसर सलमान खान एवं फैकल्टी ऑफ फिजियोथेरैपी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समृद्धि सचदेवा ने जानकारी दी कि इस मौके पर एएसजी नेत्र चिकित्सालय की टीम द्वारा निःशुल्क 143 लोगो के आंखों की जांच भी की गई। ब्लड कैम्प में बतौर अतिथि मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी सुपारस भंडारी, पूर्व पार्षद ईदू खान मेहर, पूर्व पार्षद दानिश फौजदार, समाजसेवी रफीक कांरवां, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदस्य अफजल कुरैशी, सईद खिलजी, मोहम्मद आरिफ चुंदड़ीगर, अब्दुल रहीम मोदी, इशाक गौरी, यूनाईटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, महासचिव अब्दुल रशीद अंसारी, सदस्य जावेद हुसैन ईदगाह, समाजसेवी असद चुंदडीगर, इम्तियाज चुंदडीगर, आसिफ गौरी, अतीक मोदी सहित आस-पास के क्षेत्र एवं शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कैम्प की सफलता में मुख्य रूप से यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सय्यद मोईनउलहक, साजिद खान जोधाणा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरहाना सिद्दीकी, डॉ. सदाकत बशीर, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, सोहेब अली, इकबाल खान सहित समस्त स्टाफ एवं स्टूडेन्ट्स का खास सहयोग रहा। एमडीएम व उम्मेद अस्पताल की रक्तकोष टीम एवं एएसजी नेत्र चिकित्सालय टीम का विशेष सहयोग रहा।

कीचड़ में डूबा 'बचपन', स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डाल रहे पंडा का पुरा के मासूम

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। सरकार भले ही 'पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया' का नारा देती हो, लेकिन हिंडौन उपखंड के क्यारदा खुर्द स्थित पंडा का पुरा (जाटव समाज की ढाणी) के बच्चों के लिए यह नारा कीचड़ में धंस कर रह गया है। यहाँ के राजकीय प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाला रास्ता इन दिनों दलदल और गंदे पानी में तब्दील हो चुका है, जिससे बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा दोनों खतरे में हैं।

किताबों से ज्यादा हिम्मत की जरूरत-

हालात यह हैं कि नन्हे-मुन्ने बच्चों को स्कूल पहुँचने के लिए किताबों से ज्यादा हिम्मत की जरूरत पड़ती है। कई बच्चे नंगे पैर, घुटनों तक भरे कीचड़ और गंदे पानी से गुजरने को मजबूर हैं। जरा सी चूक होने पर गिरने, चोट लगने और बीमार पड़ने का डर हर वक्त बना रहता है। अभिभावकों का

कहना है कि इस नारकीय रास्ते के कारण कई बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, जिससे उनकी पढ़ाई का भारी नुकसान हो रहा है।

प्रशासन की उदासीनता पर सवाल-

ग्रामीणों के अनुसार, यह समस्या कोई नई नहीं है। सालों से प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। विद्यालय के मुख्य प्रवेश मार्ग पर न तो पक्का रास्ता है और न ही पानी निकासी की व्यवस्था। हल्की बारिश होते ही यह रास्ता तालाब बन जाता है।

आंदोलन की चेतावनी-

सामाजिक कार्यकर्ता रिंकू कुमार जाटव ने इसे शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE 2009) का खुला उल्लंघन बताया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से सीसी सड़क और नाली का निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नौनिहालों को इस कीचड़ से मुक्ति नहीं मिली, तो वे जनआंदोलन करने को मजबूर होंगे।

अखिल भारतीय वर्षीय यादव महासभा महिला में प्रदेश सचिव नियुक्ति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील की डॉक्टर श्रीमती सुषमा यादव को अखिल भारतीय वर्षीय यादव महासभा(महिला) में प्रदेश सचिव के दायित्व पर चयनित नियुक्ति होने पर हमारे ओर से हमारे परिजनों की ओर से समाज बंधुओ की तरफ से बहुत-बहुत ढेर सारी बधाई हो हार्दिक शुभकामनाएं हो एवं सचिव बनने पर सुषमा यादव ने बताया कि मैं इस पद पर रहकर सर्व समाज को साथ लेकर एक छत के नीचे बिठाने का कार्य करूंगी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह का किया सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के झालाना स्थित डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वैलफेयर सोसाइटी जयपुर परिसर में बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के महासचिव

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वैलफेयर सोसाइटी जयपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यवीर सिंह का माला, साफा बंधवाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया।

शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु जयपुर की विभिन्न गांधी संस्थाओं द्वारा शांति एवं सद्भावना मार्च तथा प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर महात्मा गांधी जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान AICC के पूर्व सचिव संजय बापना ने कहा कि शहीद दिवस उन सभी शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपना जीवन दिया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रशीदुज्जमा खान (आसिम) ने कहा कि यह दिवस हमें शहीदों के बलिदान की याद दिलाता अल्पसंख्यक विभाग के

ब्यावर प्रभारी नदीम पठान ने कहा कि यह देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करता है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के संगठन महासचिव कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि यह युवाओं को देश की सेवा में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर जयपुर शहर इंटक के महासचिव रामपाल सैनी एवं अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित रहे।

अनुराग कश्यप के हाथ लगी चिरंजीवी की फिल्म

मुंबई। साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'माना शंकरा वर प्रसाद गारू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं जिसे दर्शकों के साथ-साथ सितारों ने भी सराहा है। इस सफलता के बीच अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म भी तय कर ली है जिसका आधिकारिक ऐलान जल्द होगा। दावा किया गया है कि चिरंजीवी की इस फिल्म में बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप भी शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि चिरजींवी अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक बॉबी के साथ जुड़ रहे हैं जिसका आधिकारिक शुभारंभ फरवरी में होगा।

लाइफ Style

श्रद्धा

दोबारा शुरू की 'ईथा' की शूटिंग

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्म 'ईथा' को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी रही फिल्म में अभिनेत्री को तमाशा कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के किरदार में देखा जाएगा।

निर्माताओं ने फिल्म पर काम 2025 से शुरू कर किया था, लेकिन नवंबर में श्रद्धा ने शूटिंग से दूरी बना ली थी। हालांकि, अब श्रद्धा सेट पर वापस आ चुकी हैं। उन्होंने मुंबई के मलाड स्थित मार्वे बीच पर शूटिंग शुरू कर दी है। एक सूत्र ने बताया, टीम ने मार्वे बीच पर एक गांव का सेट तैयार किया है। श्रद्धा के ठीक होने तक लक्ष्मण ने सेटों को वैसे ही रहने दिया। अब, उन्होंने एक डांस नंबर की शूटिंग शुरू की है, जिसमें श्रद्धा का किरदार मेले के बीच एक स्टेज पर परफॉर्म करता नजर आएगा। वैभवी मर्चेंट डांस नंबर की कोरियोग्राफी कर रही हैं। नवंबर, 2025 में शूटिंग करते वक्त श्रद्धा के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। 1940 से 1990 के बीच घटित होने वाली 'ईथा' फिल्म पंढरपुर में जन्मी कलाकार नारायणगांवकर की बायोपिक होगी जिसमें उनकी लोकप्रियता के शुरुआती अनुभव और उनकी आर्थिक तंगी के सफर को दिखाया जाएगा। इस समय नारायणगांवकर के 40 साल के दृश्यों की शूटिंग चल रही है जो फरवरी में पूरी होगी। इसके बाद, अभिनेत्री उन दृश्यों की शूटिंग करेंगी जिसमें 20 से 30 साल की उम्र वाले दृश्य शामिल हैं। इस चरण को अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य है।

हॉलीवुड मसाला

फास्ट एंड फ्यूरियस 11 को मिला नाम

लॉस एंजेलिस। रफ्तार और एक्शन से सजी दुनिया की सबसे बड़ी एक्शन फ्रेंचाइजी 'फास्ट एंड फ्यूरियस' के आखिरी अध्याय का आधिकारिक ऐलान हो गया है। सीरीज के मुख्य अभिनेता विन डीजल ने अपनी अगली फिल्म के नाम और रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। फ्रेंचाइजी की 11वीं फिल्म न केवल पुरानी यादों को ताजा करेगी, बल्कि अभिनेता पॉल वॉकर की विरासत को भी सलाम करेगी। फ्रेंचाइजी के निर्माता और मुख्य अभिनेता विन डीजल ने इंस्टाग्राम पर ऐलान किया कि 'फास्ट फॉरएवर' 17 मार्च, 2028 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

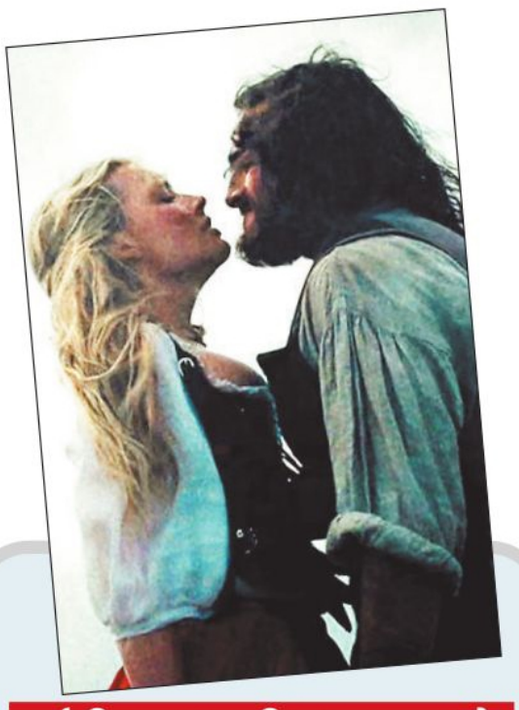

नई फिल्म 'वुदरिंग हाइट्स' के बोल्ड सीन को लेकर क्या बोलीं

लॉस एंजेलिस। मार्गोट रॉबी की नई फिल्म 'वुदरिंग हाइट्स' चर्चा में है। यह फिल्म एमिली ब्रोंटे के क्लासिक उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में मार्गोट रॉबी और जैकब एलोर्डी की जोड़ी दिख रही है। फिल्म का निर्देशन एमराल्ड फेनेल ने किया है। ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फिल्म के बोल्ड दृश्यों पर बहस हो रही है। रॉबी ने लॉस एंजेलिस में हुए फिल्म प्रीमियर के दौरान कहा कि इंटिमेट सीन की शूटिंग अन्य दृश्यों जैसी ही थी। इसके लिए उन्होंने कोई विशेष तैयारी नहीं की थी। मार्गोट रॉबी ने कहा कि यह फिल्म सभी से भावनात्मक रूप से बहुत कुछ मांगती है। उनके किरदार को हर सीन में रोना पड़ता है पर उन्हें यह भूमिका निभाना बहुत पसंद आया। एक ही पल में भावनाओं का बदलना उन्हें चुनौतीपूर्ण लगा। फिल्म 'वुदरिंग हाइट्स' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह तारीख वैलेंटाइन्स डे के सप्ताह के साथ मेल खाती है।

साई की एक्टिंग पर फिदा हुए दर्शक

मुंबई। एक बिल्कुल जादुई, सौम्य और क्लासिक प्रेम कहानी को दर्शाते हुए, आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म एक दिन का टीज़र जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की प्यारी, सहज और नई जोड़ी नजर आ रही है। टीज़र इस खूबसूरत प्रेम कथा की मनमोहक झलकियों से भरा हुआ है, जो दर्शकों के लिए किसी खास तोहफे से कम नहीं है। खास बात यह है कि इसी फिल्म के जरिए साई पल्लवी हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं और पहली ही झलक में दर्शकों का दिल जीत रही हैं। बता दें कि जैसे ही एक दिन का टीज़र रिलीज़ हुआ, सोशल मीडिया पर साई पल्लवी के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर दर्शकों ने जमकर प्यार बरसाना शुरू कर दिया। साई पल्लवी देश की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं।

रानी पहुंची सिद्धिविनायक बप्पा के किए दर्शन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी की क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मर्दानी 3' का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। दर्शकों को अपराध की दुनिया से रूबरू कराने के लिए यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। सोशल मीडिया पर इसे फिल्म समीक्षकों और दर्शकों की भर-भरकर तारीफें मिल रही हैं। इस बीच, रानी ने मुंबई के प्रिसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में जाकर हाजिरी लगाई है। यहा उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया और पूजा-अर्चना की। भाई राम मुखर्जी के साथ मंदिर पहुंची रानी सोशल मीडिया पर मौजूद वीडियो में रानी सिद्धिविनायक मंदिर में जाती नजर आईं। उन्होंने क्रीम रंग का साधारण का सूट पहन रखा है और अपने सिर को दुपट्टे से ढ़क रखा है। उनके साथ भाई राम मुखर्जी भी मौजूद रहे।

टीवी मसाला

'द 50' के मेकर्स का धमाका: घर बैठे बिठाए जीतें 50 लाख रुपए

मुंबई। बिग बॉस खत्म होने के बाद भी दर्शकों को बोर होने का एक पल भी नहीं मिलेगा। जियो हॉटस्टार और कलर्स जल्द ही अपने नए रियलिटी शो 'द 50' के साथ वापस आ रहे हैं। इस शो में 15 या 16 नहीं, बल्कि पूरे 50 सेलिब्रिटी एक ही हवेली में साथ रहेंगे। दस शो को लेकर फैंस के लिए कुछ रोमांचक खबर है जो उन्हें खुशी से झूमने पर मजबूर कर देगी। सिर्फ़ स्टार्स ही नहीं, बल्कि फैंस को भी 50 लाख रुपये जीतने का मौका मिलेगा। ये है मोहब्बतें' के रमन भल्ला के नाम से मशहूर करण पटेल ने वीडियो में विस्तार से बताया है कि फैंस को 50 लाख रुपये जीतने का मौका कैसे मिल सकता है। वीडियो में लव कटारिया से लेकर फैज़ू और मनीषा रानी तक, सभी कहते हैं, मैं 'द लायन' की हवेली में जा रहा हूं, कुल 50 सेलिब्रिटी हैं। करण पटेल के वीडियो से यह साफ है कि जो भी जीतेगा, उसके फैंस को 50 लाख रुपये मिलेंगे।

आज से शुरू हो रहा शो : रियलिटी शो द 50 1 फरवरी से, यानी आज से तीन दिन बाद, रात 9 बजे जियो हॉटस्टार पर और रात 10:30 बजे कलर्स पर प्रसारित होगा। शो में कुल 50 सेलिब्रिटी हिस्सा लेंगे, जिनमें रिद्धि डोगरा, उर्वशी ढोलकिया, दिग्विजय राठी, फैसल शेख, दिव्या अग्रवाल, प्रिंस नरूला, युविका चौधरी, शिव ठाकरे, रजत दलाल, निक्की तंबोली, अरबाज पटेल, मोनालिसा, विक्रांत सिंह राजपूत, शाइनी दोशी, डिनो जेम्स, लवकेश कटारिया, कृष्णा श्रॉफ और अर्चना गौतम शामिल हैं।

शादी पर बोलीं बबीता जी होना होगी तो हो जाएगी

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फैंस के बीच एक पसंदीदा शो है। इस शो ने कई चेहरों को पॉपुलर बनाया है, और मुनमुन दत्ता उनमें से एक हैं। मुनमुन

शो में बबीता जी का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हो गई हैं। मुनमुन अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं, लेकिन वह अफवाहों पर कम ही रिएक्ट करती हैं। पहली बार मुनमुन ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई बातें शेयर की हैं। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में मुनमुन दत्ता से जब पूछा गया कि क्या वह शादी करना चाहती हैं, तो उन्होंने कहा, मुझे प्यार पसंद है लेकिन मुझे अभी यह साफ नहीं है कि मैं शादी करना चाहती हूं या नहीं। अगर यह मेरी किस्मत में होगा, तो हो जाएगा। मैं उस तरह की लड़की नहीं हूं जो शादी के पीछे भागती है।

'चांद मेरा दिल' में इश्क लड़ाएंगे लक्ष्य और अनन्या

मुंबई। बॉलीवुड में एक बार फिर रूहानी और म्यूजिकल रोमांस का दौर लौटने वाला है। धर्मा प्रोडक्शंस ने अपनी अगली बड़ी फिल्म 'चांद मेरा दिल' की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। फिल्म 'किल' से अपनी जबरदस्त पहचान बनाने वाले अभिनेता लक्ष्य लालवानी और अनन्या पांडे पहली बार पर्दे पर एक-दूसरे के साथ इश्क लड़ाते नजर आएंगे। विवेक सोनी के निर्देशन में बन रही ये लव स्टोरी दर्शकों के बीच कब आ रही है, आइए जानते हैं।

सिनेमाघरों में आ रही 8 मई को : धर्मा प्रोडक्शंस बड़े पर्दे पर प्यार की एक ऐसी दास्तां ला रहा है, जिसे सिर्फ देखा नहीं, बल्कि महसूस किया जा सकेगा। निर्माताओं ने ऐलान कर दिया है कि अनन्या और लक्ष्य अभिनीत 'चांद मेरा दिल' 8 मई, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। इन लव स्टोरी में संगीत कहानी की रूह बनकर उभरेगा। एक भव्य रोमांटिक अनुभव के रूप में पेश की जा रही ये फिल्म दर्शकों को जज्बातों के एक गहरे सफर पर ले जाने का वादा करती है।

पिछले साल आने वाली थी यह फिल्म

ये फिल्म अक्षय कुमार और सिद्धार्थ मल्होत्रा जैसे सितारों की फिल्मों से ठीक 1 हफ्ते पहले रिलीज हो रही है। एक ओर अक्षय 15 मई को फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं और इसी दिन सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' पर्दे पर आ रही है। पहले 'चांद मेरा दिल' पिछले साल रिलीज होने वाली थी। फिर इसे टालकर 10 अप्रैल ,2026 किया गया। अब आखिरकार निर्माताओं ने 8 मई, 2026 की तारीख तय की है।

'भूत पुलिस 2' के लिए निर्देशक प्रियदर्शन ने वसूली मोटी फीस, इस बार दिखेंगे नए चेहरे

मुंबई। सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडिस और यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत पुलिस' 2021 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया था जिसे लोगों ने ठीक-ठाक प्रतिक्रिया दी। अब इस फिल्म का सीक्वल चर्चा में है जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी प्रियदर्शन ने उठाई है। उन्हें 'हेरा फेरी' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। बताया जाता है कि 'भूत पुलिस 2' के लिए के लिए प्रियदर्शन ने मोटी फीस वसूली है।

'भूत पुलिस 2' पर काम शुरू, प्रियदर्शन की फीस का खुलासा : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत पुलिस 2' पर आधिकारिक तौर पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके निर्देशन के लिए प्रियदर्शन को चुना गया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रियदर्शन इस सीक्वल का निर्देशन करने के लिए 21 करोड़ रुपये फीस ले रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि पहली किस्त की तरह सीक्वल भी हॉरर-कॉमेडी जॉनर को बरकरार रखेगा लेकिन कास्टिंग में बड़ा बदलाव होगा। सैफ और अर्जुन की बजाए नई जोड़ी पर दांव लगेगा।

2026 के आखिर में शुरू हो सकती है शूटिंग : सूत्र ने आगे कहा, विचार यह है कि एक नई जोड़ी के साथ इस फ्रैंचाइज़ को नया रूप दिया जाए। निर्माता 2 अभिनेताओं पर विचार कर रहे हैं। फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया और प्री-प्रोडक्शन का काम पूरा होने के बाद, शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है। प्रियदर्शन सीक्वल को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, प्रियदर्शन आगामी फिल्म 'हैवान' में व्यस्त हैं जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली नजर आएंगे।

डिजिटल रिलीज के लिए फिल्म में कोई अलग से कांट-छांट नहीं हुई

'धुरंधर' के ओटीटी वर्जन पर मचा बवाल, निर्माताओं ने किया बदलाव से इनकार

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ की रिकॉर्डतोड़ कमाई करने के बाद रणवीर सिंह अभिनीत 'धुरंधर' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है, लेकिन इसके साथ ही एक नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर फैंस का दावा है कि फिल्म का ओटीटी वर्जन थिएटर वर्जन से करीब 9 मिनट छोटा है, जिसके बाद इंटरनेट पर फिल्म में कांट-छांट को लेकर हंगामा मच गया। हालांकि, अब फिल्म के निर्माताओं ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

9 मिनट कम रनटाइम से मचा बवाल

निर्माताओं के मुताबिक, फिल्म को बिना किसी कट के प्रस्तावित किया गया था, जिससे ओटीटी वर्जन में कांट-छांट को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। सूत्र ने आगे बताया कि प्रोडक्शन टीम ने नेटफ्लिक्स के आदेश और आवश्यकताओं के अनुसार ही काम किया है। दरअसल, कुछ दर्शकों ने दावा किया था कि नेटफ्लिक्स पर 'धुरंधर' का रनटाइम 3 घंटे 25 मिनट है, जो इसके मूल सिनेमाई रनटाइम (3 घंटे 34 मिनट) से 9 मिनट कम है।

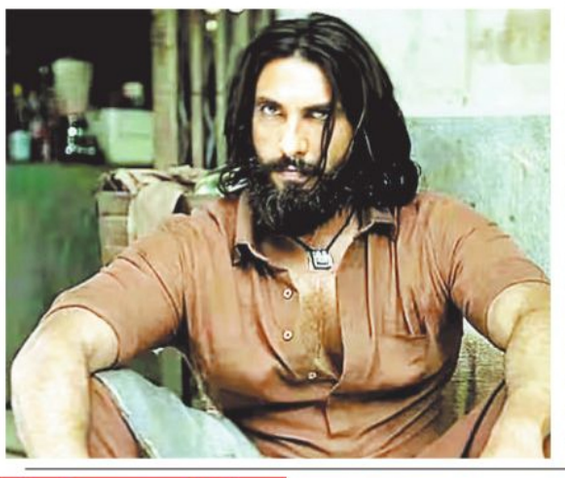

सोशल मीडिया पर भड़का था फैंस का गुस्सा

लगभग 9-10 मिनट की इस कटौती और गाली वाले डायलॉग्स पर कैंची चलने से फैंस भड़क गए थे। सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कह रहे हैं कि 18+ प्लेटफॉर्म होने के बावजूद फिल्म को सेंसर करने का कोई तुक नहीं है। फैंस के बढ़ते गुस्से और अटकलों को देखते हुए आखिरकार निर्माताओं को सामने आकर सफाई देनी पड़ी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल रिलीज के लिए फिल्म में कोई अलग से कांट-छांट नहीं हुई है।

'धुरंधर' में देशभक्ति का तड़का

बता दें कि एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे बड़े सितारे भी नजर आए हैं। इसका निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक बड़े जासूसी मिशन पर आधारित है। इसमें भारतीय खुफिया एजेंसी के जांबाज अधिकारियों की वीरता को दिखाया गया है, जो देश की सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय साजिश को नाकाम करते हैं।

नेटफ्लिक्स को बिना किसी कट के सौंपी गई 'धुरंधर'- निर्माता

सूत्रों के मुताबिक, फिल्म से जुड़े सूत्रों ने विशेष रूप से पुष्टि की है कि निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स को जो वर्जन सौंपा है, उसमें कोई भी कांट-छांट नहीं की गई है। सूत्रों का कहना है कि 'धुरंधर' के निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स रिलीज के लिए बिना किसी कट या एडिट के फिल्म पेश की की है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया ये वर्जन नेटफ्लिक्स की सभी शर्तों और अनिवार्यताओं का पूरी तरह से पालन करता है।

रणजी ट्रॉफी: विदर्भ और आंध्र ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, झारखंड ने ओडिशा को हराया

एजेंसी ▶▶| नागपुर

गत चैंपियन विदर्भ ने उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराकर ग्रुप ए से आंध्र के साथ एलीट रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विदर्भ की टीम ग्रुप ए में आंध्र के बाद दूसरे स्थान पर रही। दोनों टीम ने सात मैच में समान 31 अंक हासिल किए लेकिन आंध्र की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर रही। उत्तर प्रदेश के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए विदर्भ की टीम ने चौथे और अंतिम दिन चार विकेट पर 91 रन से आगे खेलते हुए छह विकेट गंवाकर 58.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज अमन मोखाडे 150 गेंद में 83 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके मारे। दानिश मालेवार ने भी 54 रन की पारी खेली। उत्तर प्रदेश की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर शिवम शर्मा ने 55 रन देकर चार विकेट चटकाए। सोविमा में अपने अंतिम मैच में नगालैंड के खिलाफ ड्रॉ खेल आंध्र की टीम शीर्ष पर रही। नगालैंड ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 85 रन से आगे खेलते हुए 342 रन बनाए। चेतन बिष्ट ने 100 जबकि नगाहो चिषी ने 79 रन की पारी खेली। आंध्र को 173 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम 8.3 ओवर में चार विकेट पर 64 रन बनाने के बाद मैच ड्रॉ कराने को राजी हो गई क्योंकि उसे तालिका के शीर्ष पर जगह दिलाने के लिए ड्रॉ काफी था।

तमिलनाडु और बड़ौदा का मैच ड्रॉ

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में नॉकआउट की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके तमिलनाडु और बड़ौदा का मैच नीरस ड्रॉ रहा। तमिलनाडु ने अंतिम दिन सात विकेट पर 411 रन से आगे खेलते हुए 449 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज विमल कुमार 182 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। इसके जवाब में पहली पारी में 375 रन बनाने वाले बड़ौदा ने दूसरी पारी में शिवालिक शर्मा (नाबाद 59) और ज्योत्सनिल सिंह (नाबाद 55) के अर्धशतक से बिना विकेट खोए 124 रन बनाए। ग्रुप ए में ही जमशेदपुर में मेजबान झारखंड ने ओडिशा को चार विकेट से हराया। ओडिशा ने दूसरी पारी की शुरुआत आठ विकेट पर 202 रन से करते हुए मैच के अंतिम दिन 226 रन बनाए। झारखंड को 246 रन का लक्ष्य मिला, जो उसने 71.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज शरणदीप सिंह (64) और रोबिन मिन्ज (63) ने अर्धशतक जड़े जबकि अनुकूल रॉय (45) ने भी उम्दा पारी खेली।

जम्मू-कश्मीर ने मुंबई के साथ बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

मुंबई। कप्तान आयुष दोसेजा की नाबाद 159 रन की पारी की बदौलत दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी में तालिका में शीर्ष पर काबिज मुंबई के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ करा लिया। इसी ग्रुप से जम्मू-कश्मीर ने भी 42 बार की चैंपियन मुंबई के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दोसेजा ने एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में 230 गेंदों में 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 159 रन बनाए और मुंबई को जीत से दूर रखा। दोनों टीमों ने चाय के विश्राम से करीब आधा घंटा पहले मुकाबला बराबरी पर समाप्त करने पर सहमति जता दी। दिल्ली ने दूसरी पारी छह विकेट पर 407 रन बनाकर घोषित की। उस समय उसकी कुल बढ़त 311 रन की थी। दिल्ली ने पहली पारी में 96 रन से पिछड़ने के बाद पिछले दो दिनों में मुंबई को कड़ी चुनौती दी। मुंबई ने सात मैचों में चार जीत और दो ड्रॉ से ग्रुप डी में 33 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

छत्तीसगढ़ और हैदराबाद का मैच ड्रा

छत्तीसगढ़ की टीम मेजबान हैदराबाद के खिलाफ अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 411 रन बनाकर 63 रन की बढ़त हासिल कर मैच ड्रॉ करने में सफल रही। हैदराबाद ने पहली पारी में 631 रन बनाने के बाद छत्तीसगढ़ को 283 रन पर आउट कर 348 रन की बड़ी बढ़त कायम की थी। पुडुचेरी ने इस बीच राजस्थान को पांच विकेट से शिकस्त दी। टीम ने आर श्रीराम के 57 और अजय रोहेरा के नाबाद 49 रन की पारी से जीत के लिए मिले 172 रन के लक्ष्य को पांच विकेट गंवा कर हासिल कर लिया।

खबर संक्षेप

महिला अंडर-17 टीम के सामने बांग्लादेश की चुनौती

पोखरा। भारतीय टीम सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को जब पोखरा रंगशाला स्टेडियम में मजबूत बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश एक मैच शेष रहते फाइनल में जगह पक्की करने की होगी। इस साल के आखिर में चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारियों में लगी पामेला कॉन्टी की टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान नेपाल के खिलाफ कड़े मुकाबले में 1-0 की जीत के साथ की थी। भारतीय टीम अगर इस मैच को जीतने में सफल रही तो फाइनल के लिए उसका दावा लगभग पक्का हो जाएगा। भारत को इससे पहले मेजबान नेपाल से कड़ी चुनौती मिली लेकिन पर्ल फर्नांडिस ने 49वें मिनट में गोल कर मैच में बड़ा अंतर पैदा किया।

जूनियर पुरुष स्कीट टी2 ट्रायल में पंजाब के निशानेबाज शीर्ष पर

नई दिल्ली। पंजाब के हरवीराज सिंह, हरजीज सिंह अटवाल और गुरफतेह सिंह संधू ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल कर शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स एक और दो में जूनियर पुरुष स्कीट टी2 के फाइनल में क्लीन स्वीप किया। अनंतजीत सिंह

नरूका ने पुरुष वर्ग के ट्रायल दो फाइनल में 36 में से 36 का परफेक्ट स्कोर कर ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया को एक अंक से पछाड़ते हुए खिताब जीता। यशस्वी राठौड़ ने महिला ट्रायल्स दो में सिर्फ एक निशाना चूकते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। क्वालीफिकेशन में 120 अंक के साथ शीर्ष पर रहने वाले अनंतजीत ने फाइनल में सटीक प्रदर्शन किया। ज्योतिरादित्य ने भी 34वें टारगेट तक परफेक्ट स्कोर बनाए रखा, लेकिन 35वें निशाने में चूकने के कारण 36 में से 35 अंक ही हासिल कर सके। अभय सिंह सेखों ने 30 निशाने के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

खिलाड़ियों को करना होगा दिनचर्या में बदलाव : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उपमहाद्वीप में अपने पिछले अनुभव और विभिन्न परिस्थितियों से तालमेल बिठाने की अपनी

क्षमता पर भरोसा करेगी। न्यूजीलैंड ने सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। सैंटनर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने हाल आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। उन्होंने कहा, 'दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपनी दिनचर्या में बदलाव करना होगा। उन्हें थोड़ा जल्दी जागने की कोशिश करनी होगी। लेकिन फिर भी यह हमारे लिए एक नई चुनौती है।

22 साल के अल्कारेज ने एक सेट गंवाने के बाद की वापसी, जोकोविच को दी शिकस्त

अल्कारेज ने कम्पलीट किया कॅरियर स्लैम, तोड़ा जोकोविच का सपना, जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

कार्लोस अल्कारेज रविवार को फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब अपने नाम करके कॅरियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। जब कोई खिलाड़ी चारों ग्रैंडस्लैम- ऑस्ट्रेलियाई ओपन, विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत लेता है तो उसे कॅरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करना कहते हैं।

रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच की मेलबर्न पार्क में फाइनल में यह पहली हार है। इससे पहले उन्होंने यहां अपने सभी 10 फाइनल में जीत दर्ज की थी। शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी अल्कारेज ने रविवार को पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से जीत हासिल की। 22 साल के स्पेन के खिलाड़ी ने 38 साल के जोकोविच पर दबाव बनाए रखा।

कोच को गले लगाने दौड़े कार्लोस

जीत पक्की करने के बाद अल्कारेज ने हाथ से रैकेट छोड़ दिया और वह पीठ के बल जमीन पर गिर गए और अपने हाथ सिर पर रख लिए। जोकोविच से हाथ मिलाने के लिए नेट पर जाने से पहले वह कुछ सेकेंड वहीं रुके। दोनों खिलाड़ियों ने कुछ बातें कीं और जोकोविच स्पेन के खिलाड़ी को बधाई देते हुए मुस्कुराए। इसके बाद नया चैंपियन कोर्ट के एकतरफ लगी कुर्सियों पर बैठे अपने कोच को गले लगाने के लिए दौड़ा और बाद में स्टैंड में अपने पिता और टीम के दूसरे सदस्यों को भी गले लगा।

■ कॅरियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने कार्लोस

अल्कारेज ने तोड़ा डॉन बज का रिकॉर्ड

अल्कारेज 22 साल और 272 दिन की उम्र में चारों ग्रैंडस्लैम का एकल खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने। उन्होंने 1938 की फ्रेंच चैंपियनशिप में डॉन बज का बनाया रिकॉर्ड तोड़ा जब वह 22 साल और 363 दिन के थे। स्पेन के अल्कारेज ने अब तक सात ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, जिसमें एक ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अलावा दो-दो विंबलडन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन शामिल हैं।

जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम पर अल्कारेज ने लगाई रोक

दोनों खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में पांच सेट में कड़ी जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों की तलाश में तीन घंटे से अधिक समय तक दोनों ने जबरदस्त फिटनेस, खेल और स्टेमिना का नजारा दिखाया। कोई भी खिलाड़ी बड़े अंकों पर हार मानने को तैयार नहीं था। स्पेन के खिलाड़ी ने 16 ब्रेक प्वाइंट में से पांच का फायदा उठाया जबकि जोकोविच छह ब्रेक प्वाइंट में से सिर्फ दो को ही अंक में बदल सके। जोकोविच के 25वें ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने के अभियान पर एक बार फिर अल्कारेज और यानिक सिनर में से एक ने रोक लगाई। इन दोनों ने मिलकर पिछले नौ ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। जोकोविच ने सेमीफाइनल में सिनर को हराया था और ओपन युगल में ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बनने की राह पर थे लेकिन अल्कारेज ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

आयरलैंड ने किया विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई

थाईलैंड को 62 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कीर्तिपुर

आयरलैंड ने ग्लोबल क्वालीफायर के सुपर सिक्स स्टेज में थाईलैंड को 62 रन से हराकर आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह टूर्नामेंट इस साल जून-जुलाई के बीच खेला जाना है।

आयरलैंड ने इस स्टेज में खेले गए पांच मुकाबलों में से तीन में जीत हासिल की। इसी के साथ बांग्लादेश और नीदरलैंड के बाद क्वालीफायर से चुनी जाने वाली तीसरी टीम बन गई। आयरलैंड 2023 के बाद अपना पहला टी20 वर्ल्ड कप खेलेगा। त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को खेले गए इस मुकाबले में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए 8 विकेट खोकर 121 रन बनाए। इस टीम की तरफ से टॉप-3 बल्लेबाजों ने सर्वाधिक रन बनाए। एमी हंटर ने 24 रन और कप्तान गैबी लुईस ने 25 रन बनाए, जबकि ओर्ला प्रेंडरगास्ट ने टीम के खाते में 24 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से सुलेपॉर्न लेओमी ने 24 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि सुनीदा चतुरोंगरताना ने 2 विकेट निकाले। एक सफलता ओनीचा कामचौम्फू के हाथ लगी।

59 रन पर सिमटी थाईलैंड

इसके जवाब में थाईलैंड की टीम 16.1 ओवरों में महज 59 रन पर सिमट गई। यह टीम 8 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से नन्नापत कोंवारोएनकाई (15) ने कप्तान नारुएमोल चायवाई (22) के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 रन जुटाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही थाईलैंड ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। आलम ये रहा कि इस टीम के 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। आयरलैंड की तरफ से अर्लीन केली ने महज 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 सफलताएं प्राप्त कीं।

स्क्वैश ऑन फायर

सबरीना को 3-1 से हराकर फाइनल में पहुंचीं अनाहत

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अनाहत सिंह ने वाशिंगटन में स्क्वैश ऑन फायर ओपन में अमेरिका की सबरीना सोमी को 3-1 से मात दी। इसी के साथ अनाहत ने पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल इवेंट के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 23 सबरीना को 11-9, 11-3, 9-11, 11-5 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबले में 17 वर्षीय अनाहत का सामना टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर 10 इंग्लैंड की जॉर्जीना कैनेडी से होगा। इससे पहले, शनिवार को अनाहत ने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए नंबर 2 सीड सना इब्राहिम को शिकस्त देकर स्क्वैश ऑन फायर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय वर्ल्ड नंबर 31 और सातवीं सीड खिलाड़ी ने मैच में वापसी करते हुए, तीसरे और चौथे गेम दोनों में 6-5 के घाटे को पलट दिया, और पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल इवेंट में मिस्र की वर्ल्ड नंबर 17 सना इब्राहिम को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से मात दी थी।

पीएसए टूर में बनाई अलग पहचान

अनाहत ने इस सीजन पीएसए टूर पर अपनी अलग पहचान बना ली है। खासतौर पर अक्टूबर में सिल्वर-लेवल कैनेडियन विमेंस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर उन्होंने सभी का ध्यान खींचा था, जिसके बाद वह जल्द ही विश्व की टॉप-30 खिलाड़ियों में शामिल हो गईं। पिछले कुछ महीनों में अनाहत शानदार फॉर्म में रही हैं।

बल्लेबाजी में बदलाव से मिली फॉर्म में वापसी में मदद: सूर्यकुमार

तिरुवनंतपुरम। भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद मिले ब्रेक और बल्लेबाजी में किए गए कुछ बदलाव से उन्हें अपनी फॉर्म में वापसी करने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने शनिवार से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड पर भारत की 4-1 से जीत में आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए कुछ उम्दा पारियां खेली। सूर्यकुमार पिछले साल रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। वह इस दौरान एक भी अर्धशतक नहीं बना पाए थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करके न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाए और उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद सूर्यकुमार ने आत्मचिंतन किया और अपने खेल में कुछ बदलाव किए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार पारियों में वह केवल 34 रन बनाए थे, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 12 रन था। सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में भारत की 46 रन से जीत के बाद कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद मुझे ब्रेक मिला। मैंने घर लौटने पर अपना किट बैग एक तरफ रखा और नौ-दस दिन तक आराम किया।'

वेस्टइंडीज ने द.अफ्रीका को हराया, सीरीज की अपने नाम

एजेंसी ▶▶| बजोहानिसबर्ग

वेस्टइंडीज ने बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुइस पद्धति के आधार पर छह रन से हराकर विश्व कप से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। पहले दोनों मैच जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

बारिश के कारण मैच लगभग दो घंटे देर से शुरू हुआ और इसे दोनों टीमों के लिए 16-16 ओवरों का कर दिया गया। वेस्ट इंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जब छह ओवर में एक विकेट पर 66 रन बनाए थे तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और बाद में इसे दोनों टीमों के लिए 10-10 ओवरों का कर दिया गया।

होप और हेटमायर ने जड़े 10 छक्के

वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 114 रन बनाए। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 25 गेंदों में 48 रन और शिमरोन हेटमायर ने 22 गेंदों में नाबाद 48 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने मिलकर 10 छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुईस पद्धति से 125 रन का लक्ष्य मिला लेकिन उसकी टीम छह विकेट पर 118 रन ही बना पाई। क्विंटन डीकॉक ने 14 गेंद पर 28 और जैसन स्मिथ ने 10 गेंद पर 26 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से गुडाकेश मोती ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत और श्रीलंका में हो रहे विश्व कप में वेस्टइंडीज शनिवार को कोलकाता में स्कॉटलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका इसके दो दिन बाद अहमदाबाद में कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

थाईलैंड मास्टर्स में हटी दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह

देविका ने जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

युवा शटलर देविका सिहाग ने 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता।

हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही।

देविका के लिए फाइनल शानदार रहा

देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंदी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह लगातार परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया।

मलेशियाई खिलाड़ी लग रही थीं थकी हुई

मलेशियाई खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ी के खेल को समझ ही नहीं पा रही थी। मलेशियाई खिलाड़ी थकी हुई लग रही थी और ऐसा लग रहा था कि उनमें ऊर्जा नहीं बची है। देविका ने शानदार क्रॉस के दम पर 13 गेम प्वाइंट हासिल किए और बैकहैंड क्रॉस से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में देविका ने जल्द ही 6-3 की बढ़त बना ली। मलेशिया की खिलाड़ी असहज दिख रही थी और उन्होंने आखिर में मैच से हटने का फैसला कर दिया। देविका ने पिछले कुछ समय से शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2025 में विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारत की मिश्रित टीम को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया। वह पिछले सत्र में इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रही थी जबकि 2024 में चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। इनमें स्वीडिश ओपन और पुर्तगाल इंटरनेशनल भी शामिल हैं, जहां वह विजेता रही थी।

अमृत उद्यान कल से आमजन के लिए खुलेगा: राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली, (भाषा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अमृत उद्यान के शीतकालीन वार्षिक संस्करण 2026 का रविवार को उद्घाटन किया और इसके साथ ही यह उद्यान मंगलवार से आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति कार्यालय के बयान में कहा गया कि लोग सप्ताह में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे के बीच (अंतिम प्रवेश शाम पांच बजे) उद्यान में जा सकेंगे। यह रखरखाव के लिए सोमवार को और होली के कारण चार मार्च को बंद रहेगा। इसमें कहा गया, आम लोग राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान देखने के लिए तीन फरवरी से 31 मार्च 2026 तक आ सकेंगे। हालांकि, इस बार मौके पर बुकिंग की सुविधा नहीं होगी। आगंतुक केवल ऑनलाइन माध्यम से टिकट बुक कर सकेंगे। उद्यान के लिए बुकिंग और प्रवेश निःशुल्क है।बयान में कहा गया, ...आगंतुकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने स्लॉट (समय) पहले से ऑनलाइन बुक कर लें। उन्हें टिकट में उल्लेखित समयसीमा और अन्य निर्देशों का पालन करने की भी सलाह दी जाती है। इसमें कहा गया कि राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित उद्यान परिसर विशेष श्रेणियों के लिए तीन मार्च (रक्षा कर्मियों के लिए), पांच मार्च (वरिष्ठ नागरिकों के लिए), 10 मार्च (महिलाओं और जनजातीय महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के लिए) और 13 मार्च को (दिव्यांगजन के लिए) खुलेगा। किसी विशेष दिन के लिए बुकिंग की सुविधा इससे पहले के दिन पूर्वाह्न 10 बजे बंद हो जाएगी। सभी आगंतुकों के लिए प्रवेश और निकास राष्ट्रपति एस्टेट के गेट नंबर-35 से होगा। आगंतुकों की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट संख्या-35 तक हर 30 मिनट पर सुबह साढ़े नौ बजे से शाम छह बजे के बीच शटल बस सेवा उपलब्ध रहेगी।केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से अंतिम शटल बस सेवा शाम चार बजे उपलब्ध होगी। आगंतुकों के लिए मार्ग बाल वाटिका-प्लूमेरिया गार्डन-बैन्यन गार्डन-बोंसाई गार्डन-बैबलिंग ब्रुक-सेंट्रल लॉन-लॉन्ग गार्डन-सर्कुलर गार्डन होगा।अमृत उद्यान में गुलाब की 145 किस्म हैं, जिनमें भीम , अर्जुन और मदर टेरेसा शामिल हैं।आगंतुक मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां, पर्सहैंडबैग, पानी की बोतल और शिशुओं के लिए दूध की बोतल साथ ले जा सकेंगे।सार्वजनिक मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर पेयजल, शौचालय और प्राथमिक उपचाराचिकित्सकीय सुविधाओं की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी। अमृत उद्यान के अलावा लोग सप्ताह में छह दिन (मंगलवार से रविवार) राष्ट्रपति भवन और राष्ट्रपति भवन संग्रहालय भी देख सकेंगे। वे प्रत्यक शनिवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में होने वाला चेंज-ऑफ-गार्ड समारोह भी देख सकेंगे।

यह बजट आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में भारत की वैश्विक छवि को और मजबूत करेगा: शाह

- इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और बुनकरों, किसानों और हथकरघा उद्योग को नया समर्थन मिलेगा

नई दिल्ली, (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को पेश किया गया बजट भारत को वैश्विक मंच पर पारंपरिक से लेकर नए दौर के विभिन्न क्षेत्रों में सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनाने की रफ्तार को तेज करेगा। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, खेल से लेकर तीर्थ स्थलों तक, विकसित भारत बजट एक ऐसा बजट है जो हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं एवं किसानों के सपनों को सशक्त बनाता है, ताकि वे उन सपनों को साकार कर सकें। सरकार द्वारा राजकोषीय विवेक के साथ विकास और प्रगति को गति देने की प्रतिबद्धता पर जबर्दस्त तरीके से मुहर लगाए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए शाह ने कहा कि बजट राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे रखने के लक्ष्य को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि बजट 2047 तक एक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की परिकल्पना और अगले 25 वर्षों के लिए रोडमैप पेश करता है। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 के इस बजट के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने यह साबित कर दिया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है। यह बजट न केवल हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने के लिए एक स्पष्ट खाका प्रस्तुत करता है, बल्कि इसे प्रोत्साहित करने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है, जो हर कदम पर इसका समर्थन करेगा। विकसित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का दृष्टिकोण है, जो विश्व के हर क्षेत्र में अग्रणी हो। गृह मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने की दिशा में योजना शुरू करने का एक ऐतिहासिक निर्णय बजट प्रस्ताव में लिया गया है। उन्होंने कहा, इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और बुनकरों, किसानों और हथकरघा उद्योग को नया समर्थन मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तटीय क्षेत्रों में नारियल प्रोत्साहन योजना के माध्यम से तीन करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाने, काजू और नारियल के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने तथा चंदन के संरक्षण का निर्णय स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि प्रधानमंत्री मोदी किसानों की समृद्धि और कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

बजट विकास उन्मुखी, विपक्षी दल इस पर राजनीति नहीं करें : रीजीजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट विकास और प्रगति पर केंद्रित है। उन्होंने इसपर राजनीति करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की। विपक्षी दलों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट की आलोचना की। कांग्रेस ने इसे पूरी तरह से निराशाजनक बताया और आरोप लगाया कि पूर्व में जैसा दावा किया गया था, वास्तविकता इसके विपरीत है। समाजवादी पार्टी ने कहा कि बजट लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, क्योंकि इसमें कुछ खास नहीं है।रीजीजू ने विपक्षी दलों द्वारा बजट में आम लोगों के लिए कुछ भी नहीं होने का दावा किए जाने पर कहा, सभी प्रावधान केवल आम लोगों के लिए ही किए गए हैं। अगर विपक्ष के लोग खुद को आम लोग नहीं मानते, तो हम क्या कर सकते हैं? मंत्री ने रेखांकित किया कि वित्तवर्ष 2026-27 का बजट विकास और प्रगति पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, देश खुश है। मेरा मानना है कि इस बजट की आलोचना की कोई गुंजाइश नहीं है।

बजट में विकसित भारत की यात्रा के केंद्र में रखा गया है अवसंरचना को: गडकरी

नई दिल्ली,(भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि 2026-27 के केंद्रीय बजट में अवसंरचना को विकसित भारत 2047 की ओर देश की यात्रा के केंद्र में रखा गया है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। गडकरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संपर्क, विनिर्माण की गहराई और क्षेत्रीय संतुलन पर स्पष्ट तरीके से ध्यान देने के साथ, बजट में विश्वस्तरीय, भविष्य के लिए तैयार अवसंरचना बनाने के लिए एक निर्णायक कदम रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में घोषित पहल एक स्पष्ट दृष्टिकोण दिखाती हैं कि बुनियादी ढांचा सिर्फ भौतिक परिसंपत्ति के तौर पर नहीं, बल्कि लचीलापन, अवसर और ग्लोबल प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने वाला है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि 2026-27 के बजट में किसानों, युवाओं और एमएसएमई क्षेत्र पर केंद्रित एक निर्णायक रोडमैप प्रस्तुत किया गया है, जो भारत के आगे बढ़ने के साथ-साथ समावेशी विकास, नवाचार और पूंजी निवेश की नींव को मजबूत करेगा।

बजट 2026-27 दिशाहीन, आम आदमी और बंगाल के लोगों के लिए इसमें कुछ नहीं: ममता बनर्जी

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि 2026-27 का केंद्रीय बजट दिशाहीन, जनविरोधी है और इसमें दूरदर्शिता का अभाव है तथा बजट में आम लोगों एवं उनके राज्य के लिए कुछ भी नहीं है। बनर्जी ने नई दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में यह भी आरोप लगाया कि बजट में प्रमुख क्षेत्रों के लिए आवंटित धनराशि में भारी कटौती की गई है। उन्होंने आरोप लगाया, यह बजट दिशाहीन है, इसमें दूरदर्शिता का अभाव है तथा यह नीरस एवं जनविरोधी है। यह बजट महिला-विरोधी, किसान-विरोधी, शिक्षा-विरोधी है तथा यह अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के भी खिलाफ है...। बजट में पश्चिम बंगाल के लिए कुछ भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने दावा किया, शिक्षा के लिए आवंटित धन और सब्सिडी में कटौती की गई है, साथ ही सामाजिक सुरक्षा सब्सिडी और उर्वरक सब्सिडी भी घटाई गई है। यह झूठ का पुलिंदा है[8230] हिमालय जैसी अक्षमता का उदाहरण। इससे अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर जाएगी।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के नजरिए से पेश किया गया बजट: मोहन यादव

इंदौर, (भाषा)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रविवार को पेश केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के नजरिए से पेश किया गया है। यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, आम बजट भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के नजरिए से पेश किया गया है। इसमें गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और महिलाओं समेत सभी वर्गों के कल्याण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने बायोफार्मा, कृत्रिम मेधा (एआई), शहरी विकास, वस्त्र निर्माण, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने के बजट प्रस्तावों का उल्लेख किया और कहा कि भारत को सशक्त बनाने के प्रति लक्षित बजट से देश में आर्थिक वृद्धि को रफ्तार मिलेगी। यादव ने कहा कि बजट में देश के विनिर्माण क्षेत्र के रणनीतिक विकास के लिए पर्याप्त धनराशि का आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा, बजट में भारत को विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के कई उपाय किए गए हैं। इससे विनिर्माण क्षेत्र में कई देशों की चुनौतियों से निपटने में हमारी सरकार सक्षम होगी।

भीड़ ने वाईएसआर कांग्रेस नेता के घर में तोड़फोड़ के बाद आग लगाई

इब्राहिमपत्तनम (आंध्र प्रदेश), (भाषा)। आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में पूर्व मंत्री और वाईएसआर कांग्रेस के नेता जोगी रमेश के घर में रविवार को कथित तौर पर तोड़फ़ोड़ करने के बाद आग लगाने का मामला सामने आया है। यह घटना वाईएसआर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अंबाती रामबाबू पर जानलेवा हमले के प्रयास के दावे के एक दिन बाद हुई है। स्थानीय समाचार चैनलों पर प्रसारित फुटेज में भीड़ इब्राहिमपत्तनम में रमेश के घर में तोड़फ़ोड़ करते और मकान के कुछ हिस्सों को आग लगाती हुई दिखती है। पश्चिम जोन के सहायक पुलिस आयुक्त दुर्गा राव ने पीटीआई-भाषा से बातचीत के दौरान हमले की पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने कहा कि मामले में अबतक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। दुर्गा राव ने कहा कि पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रही है। इस बीच, वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस ने कहा कि इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। इसने कहा कि पिछड़ा वर्ग के अहम नेता रमेश को जानबूझकर निशाना बनाया गया और यह घटना आंध्र प्रदेश में जर्जर कानून व्यवस्था को दर्शाती है। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी ने कहा कि दो दिन के भीतर पूर्व मंत्रियों पर हुए हमले विपक्षी नेताओं के खिलाफ राजनीतिक धमकियों के एक पैटर्न को दर्शाते हैं।

» उन्होंने कहा कि मामले में अबतक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है

बलूचिस्तान में अशांति पर पाकिस्तान के आरोप भारत ने सिरे से खारिज किए

नई दिल्ली, (भाषा)। भारत ने बलूचिस्तान में शांति भंग करने की कोशिशों में उसका हाथ होने को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए रविवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि यह इस्लामाबाद की अपनी आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने की पुरानी रणनीति है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए पाकिस्तान के दमन, बर्बरता और मानवाधिकार उल्लंघनों के रिकॉर्ड की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के निराधार आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। यह उसकी अपनी आंतरिक नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए अपनाई जाने वाली सामान्य रणनीति के अलावा कुछ नहीं हैं। जायसवाल पाकिस्तान की सेना के उस बेबुनियाद दावे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि भारत बलूचिस्तान में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे आतंकवादी तत्वों का समर्थन कर रहा है।

प्रदूषण अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल है: राहुल

नई दिल्ली,(भाषा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि प्रदूषण अब केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल है। गांधी ने साथ ही कहा कि संसद को इस पर चर्चा करनी चाहिए और सरकार को कार्वाई करनी चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि केंद्रीय बजट में वास्तविक समाधानों के लिए वास्तविक संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक वीडियो जारी कर कहा, पिछले कुछ दिनों में, मैंने हज़ारों संदेश पढ़े हैं कि प्रदूषण उनकी ज़िंदगी पर क्या असर डाल रहा है। जो बात सबसे ज़्यादा सामने आई कि बच्चों के लिए, माता-पिता के लिए, आने वाले कल के लिए लोगों में डर है। यह डर पूरे भारत के शहरी परिवारों में महसूस किया जा रहा है। उनका कहना है कि प्रदूषण अब सिर्फ़ एक पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहा, यह स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रीय आपातकाल बन चुका है तथा संसद को इस पर चर्चा करनी चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, सरकार को कार्वाई करनी चाहिए। इस बजट में असली समाधान के लिए असली संसाधन के उपाय करने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर मैराथन में दौड़ रहे 25 वर्षीय युवक की मौत, दिल का दौरा पड़ने का संदेह

इंदौर, (भाषा)। इंदौर में रविवार को एक मैराथन में दौड़ रहे 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) तुषार सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इंदौर मैराथन में दौड़ रहे आर्यन तोड़ी (25) इस मुकाबले की फिनिशिंग लाइन से करीब 150 मीटर पहले अचेत होकर गिर गए और वहां मौजूद एक चिकित्सक ने उन्हें सीपीआर (कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन) दिया लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। सीपीआर एक आपातकालीन जीवन-रक्षक प्रक्रिया है, जिसे तब किया जाता है जब किसी व्यक्ति की सांस या दिल की धड़कन रुक जाती है। उन्होंने बताया कि तोड़ी को नजदीक के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पलामू में जादू-टोना के शक में दंपति बेटे की निर्मम हत्या

मेदिनीनगर, (भाषा)। झारखंड के पलामू में जादू-टोना के शक में एक दंपति और उसके 18 वर्षीय बेटे की धारदार हथियार से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार देर रात को हुए हमले में उनकी नाबालिग बेटी भी घायल हो गई। उन्होंने बताया कि शवों को पांकी थाना क्षेत्र में रविवार को उनके घर से बरामद किया गया। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह मामला जादू टोना के संदेह से संबंधित है। झा ने बताया कि दोषियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि लड़की को गंभीर चोटें आई हैं और उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान विजय भुइयां (45), उनकी पत्नी कलिया देवी (40) और उनके बेटे छोटू भुइयां के रूप में की गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एमएमसीएच) भेज दिया गया है।

जयपुर में एक कारखाने में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से तीन लोगों की मौत

जयपुर, (भाषा)। जयपुर स्थित एक कारखाने में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने की घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, यह हादसा शनिवार रात विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के करणी विहार कॉलोनी स्थित कारखाने में उस समय हुआ, जब सिलेंडर में ऑक्सीजन भरी जा रही थी तभी एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया।धमाका इतना तेज था कि कारखाने पर लगी टिन शेड उड़ गई और एक दीवार भी ढह गई।पुलिस ने बताया कि एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई, जिसकी पहचान झारखंड निवासी मुन्ना राय के रूप में हुई है। विश्वकर्मा थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि हादसे में मुरलीपुरा निवासी कारखाना प्रबंधक विनोद गुप्ता (45) और झारखंड निवासी कर्मचारी शिबू उर्फ अनुवा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि विनोद को मणिपाल अस्पताल और शिबू को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात

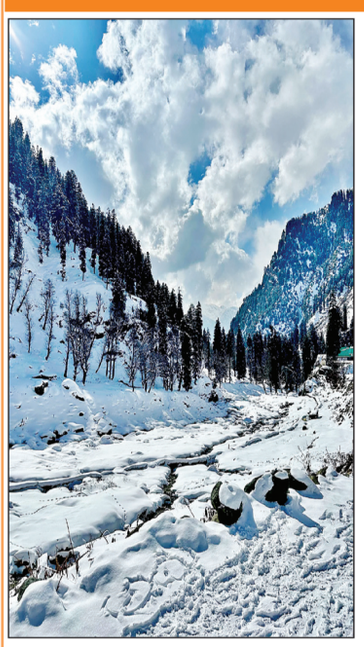

श्रीनगर, (भाषा)। कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा हिमपात हुआ जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई और श्रीनगर शहर सहित कुछ स्थानों पर रात का तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर चला गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग जिले के पहलगाम के ऊंचाई वाले इलाकों और कुलगाम जिले के काजीगुंड क्षेत्र में हिमपात हुआ, जबकि दक्षिण कश्मीर के कई हिस्सों में बारिश हुई। उन्होंने बताया कि श्रीनगर शहर में भी सुबह के समय बारिश हुई। श्रीनगर शहर में शनिवार रात न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछली रात शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे था। हालांकि, गांदरबल जिले के सोनमर्ग सहित कई स्थानों के तापमान के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन बारामूला जिले का गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट जम्मू कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां तापमान शून्य से सात डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटन स्थल पर न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और यह पिछली रात के शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे से अधिक था। यह मौसम के सामान्य तापमान से 3.8 डिग्री अधिक है। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कोकरनाग में शून्य डिग्री सेल्सियस और कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। चालीस दिनों की भीषण सर्दी चिल्ला-ए-कलां के समाप्त होने के बाद शनिवार से 20 दिन का चिल्ला-ए खुर्द (हल्की सर्दी) शुरू हो गया है। चिल्ला-ए-खुर्द के बाद 10 दिन का चिल्ला-ए-बच्चा (मामूली सर्दी) शुरू होगा। मौसम विभाग ने कहा है कि रविवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे और खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या हिमपात का अनुमान है, साथ ही कई जगहों पर तेज हवाएं चल सकती हैं। अधिकारियों ने बताया कि दो-तीन फरवरी को छिटपुट रूप से कई स्थानों पर हल्की बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात का अनुमान है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com